शेख हसीना के लाइव कार्यक्रम.. 04

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 124 | गाजियाबाद / गुरूवार 06 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

7 प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर

रांची में जंतर-मंतर जैसा धरना

एक ने पानी तक छोड़ा था, वांगचुक की अपील पर पिया, 7 अगस्त को विधानसभा घेरेंगे

रांची (एजेंसी)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन चल रहा है। 7 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर हैं। इनमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड़ रखा था। बुधवार को सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 7 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे। ये प्रदर्शन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 12 दिन से चल रहा है। छात्र जेपीएससी, जेएसएसी-सीजीएल समेत दूसरी भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच, दोषियों पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। 2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की कथित आंसर शीट वायरल हुई। दावा किया गया कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी।

झारखंड की कई परीक्षाएं विवादों में रही हैं- छात्रों का कहना है कि झारखंड की कई भर्ती परीक्षाएं विवादों में रही हैं। इसलिए वे सिर्फ 14वीं जेएससी परीक्षा नहीं, बल्कि पूरे भर्ती सिस्टम में बदलाव चाहते हैं। उनकी सरकार से तीन मुख्य मांगें हैं।

प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

झारखंड भी जाएंगे, दीपके ने कह दी बड़ी बात

संभाजी नगर (एजेंसी)। अभिजीत दीपके के घर आज कॉकरेज जनता पार्टी की बड़ी बैठक होने जा रही है। इस बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी आगे ने रणनीति तैयार करने जा रहा है। इस बैठक से पहले सीजेपी की फाउंडर अभिजीत दीपके ने मीडिया के सामने आए। उन्होंने इस दौरान मीडिया के सवालों के जवाब दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो आने समय में कोई राजनीतिक पार्टी शुरू करंगे तो उन्होंने जवाब दिया कि सीजेपी एक प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगा, क्योंकि भारत को अभी एक प्रेशर ग्रुप की ही जरूरत है। जब उनसे पूछा गया कि वो झारखंड में चल रहे छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन करने वहां जाएंगे। इस पर अभिजीत दीपके ने कहा कि हम निश्चित रूप से झारखंड जाएंगे। हम वहां विरोध कर रहे छात्रों के साथ खड़े हैं।

राममंदिर में बिना पास के होंगे राम दरबार के दर्शन

आरती में शामिल होने के लिए तत्काल पास शुरू, ट्रस्ट में बदली व्यवस्था

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में राम दरबार के दर्शन के लिए अब पास नहीं लगेगा। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंगलवार को पास की व्यवस्था खत्म कर दी। यानी अब राम मंदिर जाने वाला भक्त पूरे राम दरबार समेत पूरे मंदिर के दर्शन कर सकेगा। मंदिर की पहली मंजिल पर राम दरबार बना है। यह पिछले साल जून में बनकर तैयार हुआ था। शुरुआत में ट्रस्ट ने राम दरबार के दर्शन के लिए पास की अनिवार्यता इसलिए की थी कि श्रद्धालुओं की भीड़ को कैसे मैनेज किया जाए इसे समझा जा सके। करीब एक साल के ट्रॉयल के बाद ट्रस्ट ने इसे अब खत्म कर दिया। हालांकि, रामलला के दर्शन

के लिए सुगम पास की व्यवस्था जारी रहेगी। सुगम पास को जारी करने की अथॉरिटी ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा के पास थी। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया था। अब मैनेजमेंट ने 2 से 3 लोगों का ग्रुप बनाया है। यही सुगम पास जारी करेगा।

- **तीनों आरतियों के लिए तत्काल भी पास मिलेंगे-** राम मंदिर के पास व्यवस्था प्रभारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि रामलला की दिन में 3 बार आरती होती है। इसके लिए तत्काल पास की सुविधा भी शुरू की है। इन तत्काल पास को मंदिर के पास बिड़ला धर्मशाला सामने बनाए गए यात्री सुविधा केंद्र से हासिल किया जा सकेगा। रामलला की आरती के लिए 45 और राम दरबार की आरती के लिए 15 तत्काल पास की लिमिट रखी गई है। रामलला की मंगला आरती सुबह 4 बजे और श्रृंगार आरती सुबह 6 बजे होती है। इन दोनों आरतियों के तत्काल पास एक दिन पहले जारी किए जाएंगे। रात 9 बजे होने वाली शयन आरती के पास उसी दिन बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आरती दर्शन के लिए पहले से ऑनलाइन 100 पास जारी किए जा रहे हैं।
- **नए दैनिक पास बनाना बंद, पुराने 2,743 की हो रही समीक्षा-** अयोध्या में ऐसे तमाम संत और स्थानीय लोग हैं, जो रोजाना रामलला के दर्शन करते हैं। ऐसे लोगों के लिए मंदिर ट्रस्ट ने दैनिक पास की व्यवस्था की है। हालांकि, चढ़ावा चोरी के पास से पास जारी नहीं किए जा रहे हैं।

परिसीमन बिल पर विशेष सत्र बुला सकती है सरकार

किरन रिजिजू ने राहुल और प्रियंका के साथ की बैठक

संसद परिसर में चढ़ावा चोरी पर विपक्ष ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार परिसीमन पर चर्चा के लिए 16 से 18 अगस्त तक संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संसद में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ करीब 50 मिनट इस मुद्दे पर बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिजिजू ने सदन में बिल पर चर्चा के लिए कांग्रेस से सहयोग मांगा। हालांकि राहुल गांधी ने इसके लिए सीधे मना कर दिया। राहुल पहले चढ़ावा चोरी और लाठीचार्ज के मुद्दे पर चर्चा

और जवाब चाहते हैं। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला। विपक्षी सांसद 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज और राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। उनकी मांग है कि गृह मंत्री अमित शाह संसद में आकर जवाब दें। इसको लेकर विपक्षी सांसद हंगामा कर रहे हैं।

अप्रैल में भी विशेष सत्र बुलाया

सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक भी संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया था। इस दौरान परिसीमन संशोधन संविधान बिल, संविधान का 131वां संशोधन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल पर चर्चा की गई थी। 18 अप्रैल को संविधान का 131वां संशोधन बिल पर वोटिंग हुई थी लेकिन सरकार बिल लोकसभा में पास नहीं करा पाई थी। इसके बाद सरकार ने बाकी दो बिल भी पेश नहीं किए थे।

अभी नहीं मिलेगा सस्ता लोन ईएमआई तक भी नहीं घटेगी

- आरबीआई गवर्नर बोले-दुनिया में उथल-पुथल से महंगाई बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप घर, गाड़ी या पर्सनल जरूरत के लिए सस्ते लोन का इंतजार कर रहे हैं, तो फिलहाल ये उम्मीद पूरी नहीं हो सकेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरबीआई ने ब्याज दर को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इसके मायने हैं कि नए लोन की तरह मौजूदा लोन और ईएमआई भी सस्ती नहीं होंगी। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 5 अगस्त को बताया कि दुनियाभर में जारी उठापटक की वजह से महंगाई बढ़ी है।

इसके चलते फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

- **प्लास्टिक के नोट अप्रैल-मई 2027 में आएंगे-** पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट अगले साल अप्रैल-मई के बीच लॉन्च होंगे। यह जानकारी आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि शुरुआत में कम वैल्यू के पॉलीमर करेंसी नोट जारी किए जाएंगे। इनका मार्केट में सर्कुलेशन और इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा- दुनिया के कई देशों जैसे ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक उपयोग में रहे हैं।

यूपी में हाहाकार, हाईवे पर बह रही गंगा

- हिमाचल-उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, 300 सड़कें बंद
- झारखंड में बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। झारखंड में मंगलवार को बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 9 मौतें गिरिडीह, 3 दुमका और 2 लातेहार जिले में हुई। यूपी के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फर्रुखाबाद में बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा। मिर्जापुर में 3 लोगों की जान चली गई। दो बच्चों की मौत गड्ढे में डूबने से हुई। एक 25 साल के युवक पर बिजली गिर गई। दूसरी ओर केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है, जबकि 4 लोग लापता हैं। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण हजारों लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। केरलम सरकार के मुताबिक, 18 हजार से ज्यादा लोगों को

राहत शिविरों में रखा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

- **असम में 23 इलाके अब भी बाढ़ से प्रभावित-** असम के शिवसागर जिले के नजीरा सब-डिवीजन में बाढ़ की स्थिति अब ज्यादातर इलाकों में काबू में है। हालांकि, 23 इलाके अब भी प्रभावित हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, सीमावर्ती क्षेत्रों में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। नापालिकुटी इलाके में बड़े पैमाने पर जमीन का कटाव हुआ है। जिला प्रशासन ने बताया कि लगातार बारिश और नगालैंड से आए पानी के कारण कई गांव जलमग्न हो गए थे।

हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अब राहत और बहाली का काम जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, बाढ़ से अब तक 26-27 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4-5 लोग अब भी लापता हैं। दिल्ली में बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार

सुप्रीम कोर्ट का मत, भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं

सर्वोच्च अदालत बोली-सरकार आक्रामक रवैये से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब

भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

- **युवाओं को काउंसलिंग मिलनी चाहिए-** चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी करते हैं, तब भी उन्हें समझाने और सलाह देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें काउंसलिंग मिलनी चाहिए। अगर सरकार आक्रामक रवैया अपनाएगी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं और हिंसा बढ़ सकती है। इससे बचना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि सबसे जरूरी बात शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। अगर कोई घटना हो भी जाती है, तो पुलिस को बहुत संयम से काम लेना चाहिए, ताकि हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। जहां भी ऐसी घटनाएं हों, वहां बहुत सावधानी से स्थिति संभालनी चाहिए।

पीएम मोदी का वीडियो हटाने पर जुकरबर्ग को अल्टीमेटम, मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो फेसबुक से हटाने के मामले में संसदीय समिति ने मेटा प्रमुख मार्क जुकरबर्ग से 3 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेटा को भारत में मिलने वाली कानूनी सुरक्षा और कुछ छूट वापस लेने पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद

जुकरबर्ग ने माफी मांग ली है। इसी मामले में आईटी मंत्रालय और मेटा के अधिकारियों के बीच दो दिन की बैठक चल रही है। सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को दिल्ली बुलाया है। 5 अगस्त को बैठक का पहला दिन था। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए हटा दिया गया था।

उप चुनाव में हार के बाद ऐक्शन में पीएम मोदी

नीतिश-शिवराज से की मुलाकात, बीजेपी चीफ नितिन नवीन से भी की बड़ी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के दतिया और बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी कैंडिडेट को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। इसे लेकर पार्टी में माथापच्ची का दौर तेज है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे मामले पर मोर्चा संभाला है। उन्होंने एक ही दिन में बैक टू बैक कई बैठकें कीं। प्रधानमंत्री दोनों ही राज्यों के सीएम से मिले। उन्होंने बिहार के पूर्व सीएम नीतिश कुमार और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। यही नहीं उन्होंने बांकीपुर से लगातार पांच बार विधायक रहे और मौजूदा

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन से भी बात की है। प्रधानमंत्री ने ये बैठकें मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की मीटिंग के बाद की है। इस दौरान सरकार के प्रतिनिधियों ने पिछली यूपीए सरकार के मुकाबले प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रोजगार पैदा करने और आर्थिक विकास को मिली बड़ी रफ्तार पर जोर दिया। साथ ही, खेल के क्षेत्र में भारत की बदलाव लाने वाली यात्रा का भी जिक्र किया गया।

नितिन नवीन से की हल्की-फुल्की बात

संसद भवन परिसर स्थित बंद कमरे में हुई इस बैठक के दौरान पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत ने एनडीए हलकों में चर्चा छेड़ दी। कई सांसदों ने इसे इस तरह देखा कि प्रधानमंत्री, बिहार से राज्यसभा सदस्य नितिन नवीन को सहज महसूस कराने की कोशिश कर रहे थे। यह बातचीत बांकीपुर में बीजेपी की चौंकाने वाली हार के एक दिन बाद हुई। नितिन नवीन ने संसद के लिए चुने जाने के बाद बांकीपुर की सीट खाली कर दी थी। बांकीपुर सीट पर जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज की है। यहां बीजेपी की हार इसलिए बड़ा झटका है क्योंकि बांकीपुर लगातार कई टर्म से बीजेपी का अजेय दुर्ग बना हुआ था।

तृतीय पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

(स्व. श्रीमती राधा रानी शर्मा)

(स्वर्गवास दिनांक 6 अगस्त 2023)

न जायते म्रियते वा कदाचित, नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो, न हन्यते हन्यमाने शरीरे॥

(श्रीमद्भगवद्गीता, अध्याय 2, श्लोक 20)

भावार्थः

आत्मा का न कभी जन्म होता है और न मृत्यु।
वह अजन्मा, नित्य, शाश्वत और सनातन है।
शरीर के नष्ट होने पर भी आत्मा का कभी विनाश नहीं होता।

समस्त राष्ट्रीय शिखर परिवार

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्रीराम सेतु पर नगर निगम ने स्थापित की 22 फुट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम शहर के सौंदर्यीकरण को नई पहचान देने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। दिल्ली-गाजियाबाद सीमा स्थित एलिवेटेड फ्लाईओवर का नाम बदलते हुए श्रीराम सेतु हो गया था। अब उसे अधिक आकर्षक बनाने के लिए भगवान श्रीराम की करीब 22 फुट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की जा चूकी है। प्रतिमा का निर्माण एवं स्थापना कार्य अंतिम चरण में है और इसके पूर्ण होने के बाद यह स्थल शहर की नई पहचान तथा प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर प्रतिमा स्थापना कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने, पेंटिंग का कार्य सावधानीपूर्वक करने तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने प्रतिमा के आसपास होने वाले सौंदर्यीकरण कार्यों की भी समीक्षा की। नगर आयुक्त ने बताया कि दिल्ली से गाजियाबाद आने वाले मार्ग पर नगर निगम श्रीराम सेतु का निर्माण कराया गया है। वहीं गाजियाबाद से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर इसी द्वार

के समीप भगवान श्रीराम की विशाल प्रतिमा स्थापित की जा चूकी है। लगभग 22 फुट ऊंची यह प्रतिमा अपनी भव्यता और कलात्मकता के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा स्थापना का कार्य शुरू हो चूका से है और अन्य कार्य भी जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा।

प्रतिमा के चारों तरफ आधुनिक एवं आकर्षक प्रकाश व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। विशेष लाइटिंग की मदद से रात्रि के समय भगवान श्रीराम की प्रतिमा और अधिक भव्य एवं मनमोहक दिखाई देगी। इसके साथ ही आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण, रंग-रोगन और अन्य सजावटी कार्य भी किए जा रहे हैं, जिससे पूरा परिसर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक बन सके। प्रतिमा के स्ट्रक्चर की मजबूती के साथ-साथ उसकी कलात्मक सुंदरता पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। शहर के प्रवेश द्वार को ऐसा स्वरूप दिया जाए, जिससे बाहर से आने वाले लोगों पर गाजियाबाद की सकारात्मक और आकर्षक छवि बने। गाजियाबाद नगर निगम पिछले कुछ समय से शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों, मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक स्तर पर सौंदर्यीकरण अभियान चला रहा है।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 20 हजार के ईनामी समेत चार गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने बुलंदशहर में वाहन चोरी के मामले में वांछित 20 हजार रुपये के ईनामी अपराधी सहित गिरोह के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की 5 गाड़ियां, फर्जी नंबर प्लेटें और वाहन चोरी में इस्तेमाल होने वाले आधुनिक उपकरण बरामद किए है। गिरफ्तार गिरोह लंबे समय से उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न जिलों में सक्रिय था। गिरोह के सदस्य अलीगढ़, आगरा, लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से चार पहिया वाहनों की चोरी कर उन्हें फर्जी नंबर प्लेट और कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अन्य राज्यों व जिलों में बेच देते थे। स्वाट टीम और अपराध शाखा को लंबे समय से इस गिरोह की गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसके बाद योजनाबद्ध कार्रवाई

करते हुए चारों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की जानकारी पर पुलिस अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। बरामद पांचों वाहन विभिन्न जनपदों से चोरी हुए थे। पुलिस प्रत्येक वाहन के इंजन और चेसिस नंबर का सत्यापन कर उनके वास्तविक मालिकों का पता लगा रही है। साथ ही बरामद फर्जी नंबर प्लेटों और चोरी में प्रयुक्त उपकरणों की भी फोरेंसिक जांच कराई जाएगी, ताकि गिरोह के नेटवर्क और कार्यप्रणाली की पूरी जानकारी सामने आ सके। गिरोह सुनसान स्थानों, बाजारों और रिहायशी इलाकों में खड़े वाहनों को निशाना बनाता था। चोरी के बाद वाहन की पहचान छिपाने के लिए उसकी नंबर प्लेट बदल दी जाती थी और कुछ मामलों में वाहन के अन्य पहचान चिह्नों से भी छेड़छाड़ की जाती थी। इसके बाद वाहनों को कम कीमत पर बेचकर गिरोह मोटा मुनाफा कमाता था। एडीसीपी क्राइम पियूष सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है और यह भी जांच की जा रही है कि इनके तार अन्य राज्यों में सक्रिय वाहन चोरी गिरोहों से जुड़े हैं या नहीं। फरार साथियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

दुग्धशाला विकास विभाग के स्वर्ण महोत्सव में डेयरी विकास योजनाओं की दी जानकारी, लाभार्थियों को मिले चयन पत्र

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को विकास भवन में डेयरी कॉन्क्लेव एवं स्वर्ण महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के किसानों, पशुपालकों तथा डेयरी क्षेत्र से जुड़े हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य पशुपालकों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ आधुनिक डेयरी प्रबंधन और पशुपालन की नवीन तकनीकों से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव ने किया। शुभारंभ उत्तराखंड पशुपालन विभाग के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. प्रेम कुमार तथा जिला विकास अधिकारी दिग्विजय नाथ तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों की आय में वृद्धि के लिए राज्य सरकार नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना तथा मुख्यमंत्री पशुपालक प्रोत्साहन योजना जैसी अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका अधिक से अधिक लाभ पात्र पशुपालकों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने पशुओं में होने वाले संक्रामक रोगों की रोकथाम और समय पर टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। लीड बैंक प्रबंधक अनिल कुमार ने पशुधन ऋण और किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधाओं की जानकारी दी, जबकि कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. दीपक शर्मा ने पशु उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन के आधुनिक तरीकों पर विस्तार से जानकारी साझा की। मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थी प्रियांशु राठी ने सफल डेयरी संचालन के अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना के पात्र लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर डॉ. संदीप सिंह, डॉ. सुमित कौशिक, डॉ. स्नेहल, डॉ. अजय सहित अनेक अधिकारी और पशुपालक मौजूद रहे।

नगर निगम ने शुरू किया 7 दिवसीय प्लास्टिक मुक्त कांवड़ शिविर, शिवभक्तों को बांटा प्रसाद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा और सुविधा के उद्देश्य से गाजियाबाद नगर निगम ने साईं उपवन में 7 दिवसीय कांवड़ शिविर का शुभारंभ बुधवार को विधि-विधान व धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कर दिया है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक कर मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की तथा भगवान को भोग अर्पित करने के बाद शिविर का विधिवत उद्घाटन किया। इसके उपरांत जनप्रतिनिधियों ने कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं को भोजन एवं प्रसाद वितरित कर सेवा कार्य की शुरूआत की। शिविर के शुभारंभ अवसर पर नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण तथा साईं सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने संयुक्त रूप से कांवड़ यात्रियों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रसाद वितरित किया और उनकी यात्रा के सफल

एवं सुरक्षित संपन्न होने की कामना की। महापौर सुनीता दयाल ने कांवड़ यात्रियों को सावन और कांवड़ महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शिवभक्तों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस वर्ष नगर निगम का कांवड़ शिविर पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया गया है। भोजन वितरण के लिए स्टील के बर्तनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा सके। श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों से अपील कि वह शिविर परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने में सहयोग करें। साथ ही नगर निगम सीमा में संचालित अन्य कांवड़ शिविरों से भी प्लास्टिक का उपयोग न करने का आग्रह किया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम शहरभर में कांवड़ यात्रियों के लिए व्यापक व्यवस्थाएं कर रहा है। इसके साथ ही लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम का विशेष कांवड़ शिविर भी स्थापित किया गया है। यह शिविर 5 अगस्त से 11 अगस्त तक लगातार 7 दिनों तक चौबीसों घंटे संचालित रहेगा, जहां यात्रियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साईं उपवन स्थित शिविर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, विश्राम स्थल और भोजन जैसी सभी मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। नगर निगम के कर्मचारी और अधिकारी लगातार शिविर की व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

नगर निगम का यह कांवड़ शिविर हर वर्ष की तरह इस बार भी शिवभक्तों की सेवा के संकल्प के साथ आयोजित किया गया है। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए इसे आदर्श शिविर के रूप में विकसित किया गया है।

कांवड़ मार्ग पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई: 200 किलो संदिग्ध पनीर कराया नष्ट, नमूने जांच के लिए लैब भेजे

हापुड़ (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 200 किलो संदिग्ध एवं मिलावटी पनीर जब्त कर मौके पर ही नष्ट करा दिया। पनीर के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय चन्द्रशेखर मिश्र के नेतृत्व में विभागीय टीम कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सिंभावली क्षेत्र के टोडलपुर से आ रही पनीर से लदी एक गाड़ी को रोककर निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान ड्रमों में रखा पनीर अत्यंत गंदी एवं संदिग्ध स्थिति में मिला। टीम ने पनीर के दो नमूने लेकर उन्हें सील कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। इसके बाद जेसीबी की सहायता से गहरा गड्ढा खुदवाकर पूरी खेप को भूमिगत कर नष्ट कराया गया, ताकि इसका किसी भी प्रकार से उपयोग न हो सके। सहायक आयुक्त चन्द्रशेखर मिश्र ने बताया कि नष्ट किए गए पनीर की मात्रा लगभग 200 किलो तथा अनुमानित बाजार कीमत करीब 44 हजार रुपये है। यह खेप टोडलपुर निवासी जमील की बताई गई है। कार्रवाई के दौरान मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सोवेन्द्र सिंह पंघाल तथा सहरिश सादात मौजूद रहे।

भाजपा नेता से मारपीट के विरोध में कोतवाली का घेराव, व्यापारियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं व्यापारी नितिन मित्तल के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर बुधवार को शहर का राजनीतिक और व्यापारी माहौल गरमा गया। आरोपितों की अब तक गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज भाजपा नेताओं और व्यापारियों ने बड़ी संख्या में कोतवाली पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की।

गुरु नानकपुरा निवासी नितिन मित्तल के साथ सोमवार रात कस्बा रोड पर कहासुनी के बाद मारपीट की घटना हुई थी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका अस्पताल में उपचार कराया गया। घटना का एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर भी तेजी से प्रसारित हुआ, हालांकि शिखर समाचार इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता।

घटना के बाद नितिन मित्तल के पिता की तहरीर पर पुलिस ने भाजपा युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष रोहित सक्सेना समेत 13 नामजद लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। इसके बावजूद आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से व्यापारी वर्ग में रोष बढ़ गया। बुधवार को पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, महेश तायल, व्यापारी नेता देवराज मित्तल तथा सैकड़ों व्यापारी और भाजपा कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे। उन्होंने कहा कि यदि सरेआम व्यापारी के साथ हुई मारपीट के आरोपितों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो व्यापारी वर्ग आंदोलन करने को बाध्य होगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। कोतवाली प्रभारी ने प्रदर्शनकारियों को निष्पक्ष जांच और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। वहीं, सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मां-बेटी से मारपीट प्रकरण में कांग्रेस का कोतवाली पर प्रदर्शन, कड़ी धाराएं लगाने की मांग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ मार्ग पर पशु तस्करी का आरोप लगाकर मां-बेटी के साथ मारपीट किए जाने के मामले में बुधवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने कोतवाली पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोपितों के विरुद्ध कड़ी धाराओं में मुकदमा दर्ज करने और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

नगर की नंद नगरी निवासी दीपा कश्यप सोमवार शाम अपनी मां के साथ एक पशु को लेकर मुरादनगर की ओर जा रही थीं। आरोप है कि सिखेड़ा रोड के पास हिंदू रक्षा दल से जुड़ी सपना अग्रवाल और उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने उन्हें रोक लिया तथा पशु तस्करी का आरोप लगाते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित मां-बेटी ने बताया कि वे

पशुपालन का कार्य करती हैं और पशु तस्कर नहीं हैं, लेकिन उनकी बात सुने बिना उनके साथ मारपीट की गई। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर दोनों को बचाया।

पीड़िता दीपा कश्यप की तहरीर पर पुलिस ने सपना अग्रवाल सहित तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे और कहा कि पुलिस ने हल्की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है, जबकि इस प्रकरण में भीड़ द्वारा हिंसा का प्रयास जैसी गंभीर धाराएं लगाई जानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि आरोपितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस धरना-प्रदर्शन करेगी।

कोतवाली प्रभारी आनंद प्रकाश मिश्रा ने मामले में विधिसम्मत कार्रवाई का आश्वासन देकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। प्रदर्शन में नगर अध्यक्ष बृजेश सेन, भिखारी लाल कश्यप, चांद वीर चौधरी, दीपक शर्मा सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन प्रहार : कोतवाली नगर पुलिस ने अवैध गांजे के साथ 1 तस्कर को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कोतवाली नगर पुलिस और स्वाट टीम नगर जोन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 1 तस्कर राजकुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इसके कब्जे से 5 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। साथ ही गांजे की बिक्री से प्राप्त 1210 रुपये नकद भी बरामद किए गए। वह काफी समय से क्षेत्र में अवैध रूप से गांजे की सप्लाई कर रहा था और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पुलिस तलाश कर रही है। अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना कोतवाली नगर

पुलिस और स्वाट टीम नगर जोन संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 5 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा पुलिस ने गांजे की बिक्री से अर्जित 1210 रुपये नकद भी बरामद किए। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पूछताछ में अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि वह गांजा सस्ते दामों पर खरीदकर शहर और आसपास के क्षेत्रों में छोटे-छोटे पैकेट बनाकर बेचता था। इससे उसे अच्छा मुनाफा होता था। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पाण्डेय ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। साथ ही उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और इसके अन्य सप्लाई व खरीद नेटवर्क के बारे में भी पता किया जा रहा है।

खतौली में शिवभक्त कांवड़ियों पर हुई पुष्पवर्षा, एसएसपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने खतौली गंगनहर कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खतौली नगर पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू तथा नगरवासियों के साथ शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कांवड़ यात्रियों को जलजीरा और फल भी वितरित किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अलकनंदा पुल सहित कांवड़ मार्ग के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण करते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता,

संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करना मुजफ्फरनगर पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जनपद पुलिस प्रत्येक श्रद्धालु की सेवा और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जनपद में कांवड़ यात्रा के दौरान व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। पूरे कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात है और ड्रोन कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ता, बम निरोधक दस्ता, एंटी सबोटाज जांच दल, प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी, फ्लड पीएसी, श्वान दस्ता, सीसीटीवी कैमरे तथा नंबर प्लेट पहचान कैमरों की भी तैनाती की गई है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके और श्रद्धालुओं को पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

शिव महापुराण कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब: भजनों पर झूमे श्रद्धालु, आज निकलेगी भोले बाबा की भव्य बारात

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के प्राचीन श्री मां चंडी मंदिर में श्री मां चंडी मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा कथा पंडाल 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा और भक्त भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कथा व्यास पंडित मोहित भारद्वाज ने भगवान शिव की महिमा, लीलाओं एवं दिव्य प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उनके भजनों एवं चौपाइयों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर नृत्य करते और भगवान शिव के जयकारे लगाते रहे।

कथा के समापन पर मुख्य यजमानों एवं श्रद्धालुओं ने श्री शिव महापुराण की आरती उतारी तथा सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 6 अगस्त को भगवान भोलेनाथ की भव्य बारात निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

29वें विशाल कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ, शिवभक्तों की सेवा के लिए चौबीसों घंटे रहेंगी सभी सुविधाएं

मुरादनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ रोड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप मित्र मंडल कांवड़ सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित 29वें विशाल कांवड़ सेवा शिविर का बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। आचार्य गोपाल शास्त्री ने भगवान शिव एवं शिव परिवार का पूजन, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। शिविर के शुभारंभ के साथ ही बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों और शिवभक्तों का आगमन शुरू हो गया।

शिविर संचालक विष्णु मित्तल ने बताया कि इस वर्ष भी शिविर में भगवान शिव का भव्य दरबार सजाया गया है। कांवड़ यात्रियों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भोजन, जलपान और विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके अलावा चिकित्सा सुविधा, शुद्ध पेयजल, स्नानघर, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, ताकि हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि समिति के सेवादार पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कांवड़ यात्रियों की सेवा में जुटे रहेंगे। सावन माह में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह सेवा शिविर क्षेत्र में श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सहभागिता का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

शुभारंभ समारोह में उपजिलाधिकारी कोमल पवार, भाजपा प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री पंकज गर्ग, गोपाल गुप्ता, अरविंद भारतीय, देवेंद्र गर्ग, कुलदीप गर्ग, विनोद जिंदल, प्रमोद गोयल, हरिओम गुप्ता, विकास यादव, यश मित्तल, गोपाल सिंघल, राहुल मित्तल, विजयपाल हितकारी, नितिन गोयल, मनोज सिंघल सहित मित्र मंडल कांवड़ सेवा समिति के पदाधिकारी, सेवादार एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शिव मंदिर के दानपात्र से नकदी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चोरी की रकम बरामद

बिजनौर (शिखर समाचार)। शेरकोट पुलिस ने शिव मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 6,370 रुपये की नकदी भी बरामद कर ली। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मोहल्ला खुराड़ा निवासी वेद प्रकाश ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनके मोहल्ले स्थित शिव मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें रखी दान की राशि चोरी कर ली गई है। शिकायत में उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जनपद के दिनेशपुर थाना क्षेत्र निवासी करण पुत्र मनीराम पर चोरी का संदेह व्यक्त किया गया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने नामजद आरोपी करण को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से मंदिर के दानपात्र से चोरी की गई 6,370 रुपये की नकदी बरामद हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई पूरी की गई है। पुलिस का कहना है कि धार्मिक स्थलों पर चोरी जैसी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ लोगों की आस्था से जुड़े स्थलों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

समीपुर सीएचसी में डायलिसिस सेंटर स्थापना की कवायद तेज, सीएमओ ने महानिदेशक को भेजा प्रस्ताव

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद तहसील क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में डायलिसिस सेंटर स्थापित कराने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने पहल तेज कर दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने इस संबंध में महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, लखनऊ को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है। इससे क्षेत्र के किडनी रोगियों को भविष्य में स्थानीय स्तर पर ही डायलिसिस की सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। आदर्श नगर निवासी सूचना का अधिकार कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने पूर्व में उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भेजकर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में डायलिसिस सेंटर स्थापित करने की मांग उठाई थी। उनका कहना था कि वर्तमान में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण बीपीएल परिवारों, आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों तथा क्षेत्र के अन्य लोगों को उपचार के लिए बिजनौर अथवा अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने के साथ समय और परेशानी भी बढ़ जाती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने लिखित रूप से अवगत कराया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में डायलिसिस सेंटर की स्थापना के लिए आवश्यक प्रस्ताव महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ को भेज दिया गया है। अब विभागीय स्तर पर प्रस्ताव पर निर्णय होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि यदि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस सेंटर स्थापित हो जाता है तो नजीबाबाद तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

गरिमा हत्याकांड का खुलासा, बहन की हत्या के आरोप में भाई गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के चर्चित गरिमा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए युवती की हत्या के आरोप में उसके भाई अर्जुन दहिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चुन्नी भी बरामद कर ली है। मामले में एक अन्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार, 29 जुलाई की तड़के डायल-112 पर सूचना मिली थी कि एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद उसके परिजन जल्दबाजी में अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया, जिसमें गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। विवेचना के दौरान सामने आया कि मृतका गरिमा का पिछले आठ वर्षों से एक युवक से प्रेम संबंध था। परिवार द्वारा दूसरी जगह विवाह तय किए जाने के बाद विवाद की स्थिति बनी रही। पुलिस का आरोप है कि बहन के विवाह को लेकर नाराज अर्जुन दहिया ने परिवार की बदनामी के भय से उसकी हत्या की योजना बनाई और खुशहाली विहार स्थित मकान में चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को पैतृक गांव ले जाकर अंतिम संस्कार का प्रयास किया गया, जिसे पुलिस ने समय रहते रोक दिया। पुलिस ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गहन जांच के आधार पर इनामी आरोपी अर्जुन दहिया को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उसने हत्या में प्रयुक्त चुन्नी बरामद कराई। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने बताया कि मामले की निष्पक्ष विवेचना के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि सह-आरोपी सुधीर दहिया को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

जेपीएससी परीक्षा विवाद पर रांची में छात्र आंदोलन तेज

परीक्षा रद्द करने और निष्पक्ष भर्ती की मांग

रांची(एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची का जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम छात्र आंदोलन का केंद्र बन गया है। 25 जुलाई से शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब लगातार तेज होता जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके समर्थक स्टेडियम में जुटे हैं, जहां धरना, अनशन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी है। आंदोलनकारी परीक्षा रद्द करने, पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने तथा राज्य में नियमित भर्ती के लिए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के माध्यम से हुई 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। उनका कहना है कि जब तक परीक्षा रद्द कर निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत दोबारा आयोजन नहीं कराया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि उन्हें सरकारी योजनाओं से अधिक रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की जरूरत है। आंदोलन फिलहाल दो अलग-अलग समूहों में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन दोनों की प्रमुख मांगें समान हैं। एक समूह का नेतृत्व छात्र नेता देवेंद्र महतो कर रहे हैं, जो भूख हड़ताल पर हैं। वहीं दूसरे समूह में ब्रह्मानंद समेत कई छात्र खुले आसमान के नीचे आमरण अनशन कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और अब निर्णायक कार्रवाई जरूरी है।

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम का माहौल बड़े जनआंदोलन जैसा नजर आ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से लोग छात्रों को नैतिक समर्थन देने पहुंच रहे हैं। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और छात्र अनुशासन बनाए रखते हुए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच अपराध अनुसंधान विभाग कर रहा है। जांच के दौरान जेपीएससी से जुड़े कुछ कर्मचारियों और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी से जुड़े लोगों के पास अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट और प्रवेश पत्र मिलने का दावा किया गया है। जांच एजेंसी ने कुछ सफल अभ्यर्थियों से भी ओएमआर शीट मांगी है। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि आयोग के पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ जारी है और उनका पासपोर्ट भी जब्त किया गया है। आंदोलनकारी छात्र परीक्षा रद्द करने, केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने और भविष्य में समयबद्ध व निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग पर अब भी अडिग हैं।

ओणम पर साड़ियों से बनी दुनिया की सबसे बड़ी रंगोली, बना विश्व रिकॉर्ड

कोच्चि (एजेंसी)। ओणम उत्सव के अवसर पर केरल के कोच्चि स्थित फोरम मॉल में परंपरा और कला का अनूठा संगम देखने को मिला। एक नामी ब्रांड कलेक्शंस द्वारा 2,000 वर्ग फुट क्षेत्र में 2,100 से अधिक सिल्क और कांचीपुरम सिल्क साड़ियों का उपयोग कर दुनिया की सबसे बड़ी साड़ी पूक्कलम (साड़ियों से बनी रंगोली) तैयार करवाई गई। इस अनोखी कलाकृति को यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम (यूआरएफ) ने विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की है। थोडुपुझा स्थित इस खास ब्रांड के कलेक्शंस के इस आयोजन को प्रसिद्ध कलाकार दा विंची सुरेश और अपनी रचनात्मक टीम के सहयोग से विशेष रचनात्मक रंगोली का निर्माण किया। पारंपरिक फूलों की जगह लगभग 5,000 रंगों और डिजाइनों वाली साड़ियों का इस्तेमाल कर ओणम की सांस्कृतिक विरासत को नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया। आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग फोरम मॉल पहुंचे। आयोजकों ने इसे भारतीय परंपरा, वस्त्र कला और रचनात्मकता का अनूठा उदाहरण बताया।

शेख हसीना के लाइव कार्यक्रम से घबराया बांग्लादेश

-भारत ने कहा- घबराएं नहीं, ये उनका निजी मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर एक नए घटनाक्रम ने ढाका की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि भारत ने दो टूक कहा है कि घबराने की जरुरत नहीं है ये उनका अपना निजी मामला है। भारत में शरण ले रहीं शेख हसीना करीब दो साल बाद पहली बार मीडिया से लाइव संवाद करने जा रही हैं। वह बुधवार को वर्चुअल माध्यम से विदेशी पत्रकार क्लब की प्रेसवार्ता में शामिल होंगी और सीधे सवालों के जवाब देंगी। भारत आने के बाद यह पहला मौका होगा जब वह सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने अपनी बात रखेंगी। इससे पहले वह केवल लिखित बयान जारी करती रही हैं।

अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में किसी अज्ञात स्थान पर रह रही हैं। उनके आगामी मीडिया कार्यक्रम की घोषणा के बाद बांग्लादेश सरकार ने भारत के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। ढाका ने इस कार्यक्रम को रोकने की अपील भी की, लेकिन भारत ने इसे निजी मामला बताते हुए दूरी बना ली है। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने सवाल उठाया कि एक भगोड़े नेता को भारत में राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति कैसे दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भविष्य को ध्यान में रखते हुए संबंध आगे बढ़ाना चाहते हैं और ऐसी गतिविधियों से प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भारत से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शेख हसीना का मीडिया के सामने आना बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के लिए चुनौती बन सकता है। हसीना अपनी बात रखकर समर्थकों और आम जनता के बीच अपनी छवि मजबूत करने की कोशिश कर सकती हैं। इसी संभावना को लेकर ढाका में चिंता बढ़ी हुई है। बांग्लादेश की आपत्तियों पर भारत ने स्पष्ट किया है कि शेख हसीना का मीडिया कार्यक्रम सरकार से जुड़ा हुआ नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह एक निजी कार्यक्रम है और इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मीडिया सीधे उनसे संपर्क कर रहा है और साक्षात्कार देना या नहीं देना उनका व्यक्तिगत फैसला है। भारत के अनुसार आने वाले समय में शेख हसीना अन्य माध्यमों से भी अपना पक्ष रख सकती हैं। यही बात बांग्लादेश सरकार के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। बांग्लादेश सरकार कई बार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी है। इसके लिए औपचारिक अनुरोध भी किया गया है, लेकिन भारत में अभी तक इस संबंध में कोई कानूनी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। जानकारों के अनुसार भारत का मानना है कि यदि शेख हसीना खुद बांग्लादेश लौटने का फैसला करती हैं तो प्रत्यर्पण की प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी।

कुंभ-2027 के निर्माण कार्यों में आएगी तेजी, पांच नए पुलों की गुणवत्ता जांच करेगा आईआईटी रुड़की

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को गति देने के लिए कांवड़ मेला समाप्त होते ही मेला क्षेत्र में चल रही सभी अवस्थापना विकास परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर कार्य शुरू किया जाएगा। इस संबंध में मेला प्रशासन ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को मेलाधिकारी सोनिका ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ मेला समाप्त होते ही सभी परियोजनाओं पर पूरी क्षमता के साथ कार्य प्रारंभ किया जाए तथा प्रत्येक निर्माण की गुणवत्ता की नियमित तीसरे पक्ष से जांच कराई जाए। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए जा रहे पांच नए पुलों का निर्माण तय समय में पूरा कराया जाएगा और उनकी गुणवत्ता का परीक्षण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से कराया जाएगा। साथ ही तकनीकी अधिकारियों को पुलों के इस्पात ढांचे के निर्माण का कार्यशालाओं में जाकर निरीक्षण करने और गुणवत्ता की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बस अड्डों, पार्किंग स्थलों, प्रमुख चौराहों, पैदल मार्गों, फुटपाथों, प्रकाश व्यवस्था और शहर के सौंदर्यीकरण से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। वर्षाकाल समाप्त होने के बाद कुंभ शिविरों के लिए चिन्हित भूमि की सफाई और समतलीकरण तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए गए। मेलाधिकारी ने सभी सड़कों, पुलों और घाटों के आसपास व्यापक पौधारोपण कराने, अतिक्रमण हटाने तथा जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण न हटाने की स्थिति में संबंधित कार्यदायी संस्था का भुगतान रोक दिया जाएगा।

ऑपरेशन में महिला के पेट में तौलिया छोड़ने का मामला: उपभोक्ता आयोग ने दो महिला चिकित्सकों पर लगाया 17 लाख रुपये का जुमार्ना

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा स्थित नेशनल हाईवे-9 के रामा हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान महिला मरीज के पेट में तौलिया छूट जाने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बड़ी राहत देते हुए दो महिला चिकित्सकों को 17 लाख रुपये सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार पिलखुवा निवासी नियाज अहमद की पत्नी मीना वर्ष 2014 में गर्भवती थीं। 26 फरवरी 2014 को रामा हॉस्पिटल में चिकित्सक डॉ. मोनिका और डॉ. रेणुका ने उनका ऑपरेशन किया था। ऑपरेशन के बाद भी महिला के पेट में लगातार दर्द बना रहा। बाद में दूसरे अस्पताल में कराई गई जांच और एक्स-रे में पता चला कि ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में गॉज का कपड़ा (तौलिया) रह गया था। इसके बाद दोबारा ऑपरेशन कर तौलिया बाहर निकाला गया। इस उपचार पर करीब 1.70 लाख रुपये का खर्च आया। पीड़िता ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में 17 लाख रुपये के मुआवजे की मांग की थी। मामले की सुनवाई के बाद आयोग के अध्यक्ष भोपाल सिंह तथा सदस्य संतोष रावत और राजीव कुमार सिंह की पीठ ने चिकित्सकीय लापरवाही मानते हुए आदेश दिया कि उपचार पर हुए खर्च के साथ मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक क्षति के मद्देनजर कुल 17 लाख रुपये सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित पीड़िता को अदा किए जाएं। वहीं रामा हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. राहुल ने कहा कि आयोग का आदेश अभी प्राप्त नहीं हुआ है। आदेश मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

कांवड़ मार्ग पर स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल चिकित्सा इकाइयां बनीं संजीवनी, सात हजार शिवभक्तों को मिला तत्काल उपचार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कांवड़ मेला-2026 के दौरान शिवभक्तों को त्वरित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की ओर से पहली बार संचालित की गई पांच मोबाइल चिकित्सा इकाइयां श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित हो रही हैं। कांवड़ मार्ग के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर तैनात इन इकाइयों के माध्यम से अब तक लगभग सात हजार कांवड़ यात्रियों का मौके पर ही उपचार किया जा चुका है। इससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह ने बताया कि इस वर्ष पहली बार मंगलौर, बहादराबाद टोल प्लाजा, शंकराचार्य चौक, अलकनंदा होटल तथा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित 4एक्सओ प्वाइंट पर मोबाइल चिकित्सा इकाइयों की तैनाती की गई है। प्रत्येक इकाई में प्रतिदिन सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रत्येक इकाई में चिकित्सक, औषधि वितरक, प्रयोगशाला तकनीशियन और नर्सिंग कर्मियों सहित पांच सदस्यीय दल तैनात है। यहां प्राथमिक उपचार, आवश्यक दवाएं, ऑक्सीजन, स्ट्रेचर तथा सामान्य स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध है। गंभीर मरीजों को तत्काल उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की भी व्यवस्था की गई है।

कांवड़ मेले के स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. राजेश गुप्ता इन चिकित्सा इकाइयों की लगातार निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को उपचार में देरी न हो। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान पर्याप्त पानी पीने, अधिक थकान होने पर विश्राम करने तथा स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर निकटतम मोबाइल चिकित्सा इकाई या स्वास्थ्य शिविर से तुरंत संपर्क करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार ही सुरक्षित और सफल कांवड़ यात्रा की सबसे बड़ी कुंजी है।

उर्स मेले की तैयारियों को लेकर पुलिस-प्रशासन की बैठक, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर बनी सहमति

हरिद्वार (शिखर समाचार)। आगामी उर्स मेले की तैयारियों को लेकर बुधवार को कोतवाली कलियर परिसर में पुलिस-प्रशासन और उर्स मेला कमेटी के सदस्यों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक देहात शेखर चंद सुयाल ने की। इसमें उर्स मेला कमेटी के सदस्यों के साथ कलियर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया। बैठक में मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक देहात शेखर चंद सुयाल ने कहा कि उर्स मेले में बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था, सुचारु यातायात और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने मेला कमेटी के सदस्यों से अपील की कि सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू कराने में पुलिस और प्रशासन का पूरा सहयोग करें, ताकि मेले का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके।

बैठक के दौरान यातायात डायवर्जन, पार्किंग स्थलों के निर्धारण, भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मेला कमेटी के सदस्यों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और मेले की सफलता के लिए सभी आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। बैठक में मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने पर भी विशेष जोर दिया गया।

मदरसों में वंदे मातरम् विवाद पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने वंदे मातरम् गाने की अनिवार्यता से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में केंद्र सरकार से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सवाल उठाया गया है कि क्या जाति, धर्म या पंथ से परे सभी लोगों के लिए वंदे मातरम् गाना अनिवार्य किया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर को निर्धारित की गई है। तब तक केंद्र सरकार को अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखना होगा। फिलहाल हाई कोर्ट ने किसी भी प्रकार का अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार किया है।

यह विवाद राज्य मदरसा विभाग की उस अधिसूचना के बाद सामने आया, जिसमें राज्य के मदरसों में भी सुबह की प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य करने की बात कही गई थी। इस आदेश को चुनौती देते हुए एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जनहित याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वंदे मातरम् का गायन पूरी तरह स्वैच्छिक होना चाहिए और किसी भी नागरिक को इसे गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। याचिका में तर्क दिया गया कि ऐसी अनिवार्यता देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सिद्धांतों के विपरीत हो सकती है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस आदेश से किस प्रकार प्रभावित हुए हैं और बिना केंद्र सरकार का पक्ष जाने अंतरिम राहत कैसे दी जा सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से आग्रह किया गया कि अंतिम फैसला आने तक इस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाए, लेकिन अदालत ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। हालांकि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि यदि आदेश के पालन को लेकर किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई होती है तो संबंधित पक्ष अदालत का रुख कर सकता है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि देश के अनेक ईसाई शिक्षण संस्थानों में भी प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह मुद्दा सांप्रदायिक सद्भाव और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है तथा किसी भी व्यक्ति पर राष्ट्रगीत गाने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि यह जनहित याचिका नहीं, बल्कि प्रचार पाने के उद्देश्य से दायर की गई याचिका है। उनका कहना था कि सरकार का उद्देश्य केवल 'वंदे मातरम्' को लोकप्रिय बनाना है, न कि किसी व्यक्ति को इसे गाने के लिए बाध्य करना। उन्होंने अदालत से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए समय देने का अनुरोध किया। वहीं, सुनवाई के दौरान कुछ अन्य अधिवक्ताओं ने भी इस मुद्दे को धर्मनिरपेक्षता, संवैधानिक अधिकारों और संसद में पहले हो चुकी बहस से जुड़ा बताते हुए अपने-अपने तर्क अदालत के समक्ष रखे। अब सभी की नजर 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर है, जब केंद्र सरकार अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट करेगी।

18 से 28 अगस्त तक चलेगा विशेष एमआर टीकाकरण अभियान, छूटे बच्चों को लगेगी एमआर वैक्सीन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को एमआर टीकाकरण अभियान को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 18 से 28 अगस्त तक चलने वाले विशेष एमआर टीकाकरण अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 14 वर्ष आयु की पात्र बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण को भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने पर जोर दिया गया।

बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. सिरोहा ने बताया कि अभियान के दौरान 5 से 10 वर्ष आयु के उन बच्चों को एमआर वैक्सीन की खुराक दी जाएगी, जो किसी कारणवश पहले टीकाकरण से वंचित रह गए थे। उन्होंने बताया कि कोविड काल में नियमित टीकाकरण प्रभावित होने से इस आयु वर्ग में खसरा और रूबेला संक्रमण का खतरा बढ़ा है। अभियान के तहत सरकारी एवं निजी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों, मदरसों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत कक्षा एक से पांच तक

के बच्चों का टीकाकरण कराया जाएगा। इसके लिए 18, 20, 21, 24, 25, 27 और 28 अगस्त को विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि जनपद में 28 फरवरी से एचपीवी टीकाकरण अभियान भी संचालित है, जिसके तहत 14 वर्ष आयु की पात्र बालिकाओं को निःशुल्क टीका लगाया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र बच्चों और बालिकाओं की सूची तैयार कर समयबद्ध रूप से टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और आईसीडीएस विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि कोई भी पात्र बच्चा या बालिका टीकाकरण से वंचित न रहे।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए. के. झा, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी आर. पी. सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) आशीष कुमार सहित स्वास्थ्य एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

सरिया से लदा चोरी का ट्रक बरामद, चार शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा पुलिस ने सरिया से लदे चोरी के ट्रक का सफल खुलासा करते हुए चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब दो सप्ताह पहले चोरी किया गया ट्रक, उसमें लदा 11.5 टन सरिया तथा वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरी की एक बड़ी घटना का पदार्फाश हुआ है। पुलिस के अनुसार, हाथरस जिले के थाना सासनी क्षेत्र के गांव बांधनू निवासी ट्रक चालक गोपीचंद शर्मा 23 जुलाई की रात सिकंद्राराऊ से ट्रक में सरिया लादकर दिल्ली जा रहे थे। रास्ते में बुलंदशहर मार्ग पर रबूपुरा क्षेत्र के गांव चचूरा के पास वह चाय पीने के लिए रुके। इसी दौरान अज्ञात बदमाश मौका पाकर सरिया से लदा ट्रक चोरी कर ले गए। घटना के बाद चालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। लगातार की गई छानबीन और मुखबिर की सूचना के आधार पर मंगलवार रात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान थाना दनकौर क्षेत्र के गांव मंडपा निवासी मुरसलीम, सिकंदराबाद के गांव तिल बेगमपुर निवासी गुलजार, अररिया (बिहार) निवासी मोहम्मद अमर तथा थाना जारचा क्षेत्र के गांव बिसाहड़ा निवासी चुनमुन उर्फ पुनीत कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि गुलजार और मुरसलीम के विरुद्ध विभिन्न थानों में पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और इस प्रकार की अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

हरिद्वार कांवड़ लेने जा रहे तीन दोस्तों की सड़क हादसे में मौत, अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर भोजपुर थाना क्षेत्र के कलछीना गांव के निकट बुधवार तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे में हरिद्वार कांवड़ लेने जा रहे तीन दोस्तों की मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिर पड़े और वाहन उन्हें कुचलता हुआ फरार हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार अलीगढ़ के थाना अतरौली क्षेत्र के गांव कलई निवासी 29 वर्षीय ज्ञान प्रकाश, थाना अकराबाद क्षेत्र के गांव रिसालदार निवासी 25 वर्षीय राजकुमार तथा बदायूं जिले के थाना उझानी क्षेत्र के गांव नगला बची निवासी 20 वर्षीय प्रदीप कुमार गुरुग्राम के मानेसर स्थित एक जूता फैक्टरी में कार्य करते थे। तीनों एक ही कमरे में रहते थे। मंगलवार शाम उन्होंने हरिद्वार से कांवड़ लाने का कार्यक्रम बनाया

मृतक राजकुमार का फाइल फोटो

और रात में ज्ञान प्रकाश की मोटरसाइकिल से हरिद्वार के लिए रवाना हो गए।

बुधवार तड़के जब उनकी मोटरसाइकिल कलछीना गांव के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर पहुंची, तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम और भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंची तथा तीनों को भोजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक ज्ञान प्रकाश का फाइल फोटो

शुरूआत में पुलिस ने मोटरसाइकिल के पंजीकरण नंबर से पहचान का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में एक मृतक की जेब से मिले मोबाइल नंबर के आधार पर तीनों की पहचान हुई और परिजनों को सूचना दी गई। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

जनेश्वर मिश्र जयंती पर सपा कार्यकताओं ने किया नमन, 2027 में सरकार बनाने का लिया संकल्प

बिजनौर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर समाजवादी विचारधारा के प्रमुख नेता और छोटे लोहिया के नाम से विख्यात स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर आयोजित विचार गोष्ठी में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष हनी फैसल ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव धनंजय सिंह यादव ने किया। वक्ताओं ने कहा कि जनेश्वर मिश्र ने अपना पूरा जीवन समाजवाद, सामाजिक न्याय और आमजन के अधिकारों की लड़ाई को समर्पित किया। उनके सिद्धांत आज भी

कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और पार्टी उनके बताए मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर शमशाद अंसारी, मेराज अहमद, प्रभा चौधरी, राधा सैनी, रफीक अंसारी, सुखबीर ठेकेदार, महमूद कस्सार, कमलेश भुइयार, मनशाराम सैनी, नवाब मंसूरी, हेमंत कुमार, कृपारानी प्रजापति, मुदित त्यागी, शेख इरशाद, दिनेश चौधरी, जीशान आलम, राजेश गोयल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित कार्यकताओं ने जनेश्वर मिश्र के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने, संगठन को मजबूत करने तथा वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

पाइप बंद करने के विवाद में मारपीट, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बे में मकान से पानी की निकासी के पाइप को बंद करने के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित अमित कुमार ने बताया कि उनकी बाजार में दुकान है और सामने एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। आरोप है कि 3 अगस्त की शाम पड़ोसी प्रेमपाल ने छत से पानी की निकासी के लिए लगाए गए पाइप में सीमेंट भरकर उसे बंद कर दिया। इस बात का विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। आरोप है कि प्रेमपाल ने नीरज तथा दो अन्य लोगों के साथ मिलकर अमित के भाई गौरव सिंघल पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव के लिए पहुंचे पिता सुभाष चंद्र के साथ भी मारपीट की गई। मारपीट में घायल गौरव सिंघल और सुभाष चंद्र को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी मारपीट कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

5 से 11 अगस्त तक 'सनातन पर्व सप्ताह' घोषित करने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा गया प्रस्ताव

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य मनोज वाल्मीकि ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 5 अगस्त से 11 अगस्त तक 'सनातन पर्व सप्ताह' घोषित किए जाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि भारत की सनातन संस्कृति एवं धार्मिक परंपराएं देश की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख आधार हैं। उत्तर प्रदेश भगवान शिव, श्रीराम और

श्रीकृष्ण की पावन स्थली रहा है, इसलिए सनातन परंपरा को समर्पित एक विशेष सप्ताह घोषित किया जाना चाहिए।

प्रस्ताव में बताया गया है कि यह अवधि श्रावण मास के अंतिम सप्ताह एवं शिवरात्रि के आसपास होने के कारण धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान प्रदेशभर के प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम, योग, वेद, उपनिषद और भारतीय दर्शन पर व्याख्यान एवं संगोष्ठियों के आयोजन का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा स्कूलों एवं कॉलेजों में भारतीय संस्कृति पर निबंध, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित कर युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ने तथा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव रखा गया है। मनोज वाल्मीकि ने पत्र में स्पष्ट किया है कि सनातन पर्व सप्ताह का उद्देश्य किसी समुदाय का विरोध नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और सामाजिक समरसता के प्रति सम्मान एवं जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया है।

एक लाख का इनामी बदमाश फुरकान पुलिस मुठभेड़ में मारा गया, स्वाट टीम का हेड कांस्टेबल घायल

शामली (शिखर समाचार)। झिंझाना थाना पुलिस, बाबरी थाना पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में बुधवार को एक लाख रुपये का अंतरराज्यीय इनामी, हिस्ट्रीशीटर एवं गैंग लीडर फुरकान पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस के अनुसार उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊन ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान स्वाट टीम के हेड कांस्टेबल हरविंदर गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीन पुलिस अधिकारी बुलेटप्रूफ जैकेट पहनने के कारण सुरक्षित बच गए।

पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत सूचना मिली थी कि फुरकान अपने एक साथी के साथ झिंझाना क्षेत्र के गांव रंगाना स्थित एक पोल्ट्री फार्म के पास किसी बड़ी वारदात की तैयारी में है। सूचना पर झिंझाना, बाबरी और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से घेराबंदी की। पुलिस का कहना है कि खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस दल पर फायरिंग शुरू कर

दी। जवाबी कार्रवाई में फुरकान घायल हो गया, जबकि उसका साथी गन्ने के खेतों का लाभ उठाकर फरार हो गया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार कांबिंग अभियान चला रही है।

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से एक 9 एमएम कार्बाइन, एक 9 एमएम पिस्टल, 19 जीवित कारतूस, 10 खोखा कारतूस, 9,600 रुपये नकद तथा बिना नंबर प्लेट की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस का दावा है कि फुरकान कैराना थाने का हिस्ट्रीशीटर और गैंग लीडर था तथा उसके विरुद्ध शामली, बागपत और

सहारनपुर में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, रंगदारी, मादक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम सहित 24 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। उस पर अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन द्वारा एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ के आठवें दिन वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हुआ बंबावड़

बंबावड़/दादरी (शिखर समाचार)। सनातन धर्म के संरक्षण, वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार और विश्व कल्याण की भावना से ग्राम बंबावड़ में आयोजित 26 दिवसीय चतुर्वेद पारायण महायज्ञ के आठवें दिन वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, हवन की पावन आहुतियों और श्रद्धालुओं की आस्था से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी ओमवीर आर्य एडवोकेट ने बताया कि प्रात:कालीन यज्ञ के यजमान श्रीनिवास आर्य के पुत्र पंकज आर्य अपनी पत्नी के साथ रहे। यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर विश्व शांति, समाज की सुख-समृद्धि और मानव कल्याण की कामना की। इस अवसर पर स्वामी शिवानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि महर्षि मनु के अनुसार सज्जन, धर्मात्मा और परोपकारी व्यक्ति का दीघार्यु होना समाज के लिए कल्याणकारी होता है, क्योंकि वह जीवनभर सत्कर्मों का संचय करता है। इसके विपरीत अधर्म, छल और पाप के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति जितना अधिक जीवित रहता है, उतना ही अधिक पाप का भागी बनता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से सत्य, सेवा, सदाचार और वैदिक जीवन-पद्धति को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि वैदिक संस्कृति ही मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करती है। महायज्ञ में अखिल भारतीय भट्टा एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमवीर सिंह आर्य (डेवटा), मूलचंद शर्मा, प्रेमचंद आर्य, महरचंद महाशय, श्रीनिवास आर्य, चरण सिंह आर्य, दिवाकर आर्य, सतवीर आर्य, महेंद्र सिंह आर्य, शिव मुनि वानप्रस्थी, स्वामी पूणार्नंद, आचार्य रघुराज, स्वामी सत्यव्रत, भोपाल नागर, ब्रह्म सिंह मुकद्दम, बिजेंद्र सिंह आर्य, शेखर आर्य, अंगद नागर, वीरेंद्र शास्त्री, महेंद्र आर्य, वेदपाल महाशय, मास्टर किरपाल आर्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र सिंह आर्य ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में महायज्ञ में सहभागिता कर वैदिक संस्कृति के इस आयोजन का पुण्य लाभ लेने की अपील की।

29वें विशाल कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ, शिवभक्तों की सेवा के लिए चौबीसों घंटे रहेंगी सभी सुविधाएं

मुरादनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ रोड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप मित्र मंडल कांवड़ सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित 29वें विशाल कांवड़ सेवा शिविर का बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। आचार्य गोपाल शास्त्री ने भगवान शिव एवं शिव परिवार का पूजन, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। शिविर के शुभारंभ के साथ ही बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों और शिवभक्तों का आगमन शुरू हो गया।

शिविर संचालक विष्णु मित्तल ने बताया कि इस वर्ष भी शिविर में भगवान शिव का भव्य दरबार सजाया गया है। कांवड़ यात्रियों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भोजन, जलपान और विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके अलावा चिकित्सा सुविधा, शुद्ध पेयजल, स्नानघर, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, ताकि हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि समिति के सेवादार पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कांवड़ यात्रियों की सेवा में जुटे रहेंगे। सावन माह में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह सेवा शिविर क्षेत्र में श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सहभागिता का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

शुभारंभ समारोह में उपजिलाधिकारी कोमल पवार, भाजपा प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री पंकज गर्ग, गोपाल गुप्ता, अरविंद भारतीय, देवेंद्र गर्ग, कुलदीप गर्ग, विनोद जिंदल, प्रमोद गोयल, हरिओम गुप्ता, विकास यादव, यश मित्तल, गोपाल सिंघल, राहुल मित्तल, विजयपाल हितकारी, नितिन गोयल, मनोज सिंघल सहित मित्र मंडल कांवड़ सेवा समिति के पदाधिकारी, सेवादार एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटी नगर पालिका, पांच मेला प्रभारियों को किया रवाना

शामली (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए नगर पालिका परिषद शामली ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने पांच कांवड़ मेला प्रभारियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने नारियल फोड़कर और फीता काटकर अभियान का शुभारंभ किया तथा प्रभारियों को कांवड़ मार्ग पर शिवभक्तों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अरविंद संगल ने कहा कि श्रावण मास में हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटने वाले लाखों शिवभक्त शामली से होकर गुजरते हैं। ऐसे में नगर पालिका की जिम्मेदारी है कि कांवड़ मार्ग पर स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी

निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा।

अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के लिए सभासद प्रमोद जांगिड उर्फ राजू, पिंकी, पूजा, नामित सभासद डॉ. हरिओम पाठक तथा देवानंद गौड़ को कांवड़ मेला प्रभारी बनाया गया है। सभी प्रभारी कांवड़ मार्ग और सेवा शिविरों का नियमित निरीक्षण करेंगे तथा श्रद्धालुओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे। महिला सभासदों को महिला कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर पालिका के अधिकारी, सभासद, कर्मचारी और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा सभी ने कांवड़ यात्रा को सफल और व्यवस्थित बनाने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

कांवड़ सेवा शिविर का सुरेश राणा ने किया उद्घाटन, शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने बुधवार को ग्राम भंदोड़ा के ग्रामीणों की ओर से बुटराड़ा में आयोजित कांवड़ सेवा शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया तथा शिविर में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण कर सेवा कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुरेश राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा सुरक्षा, सेवा और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं का प्रतीक बन गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत और यातायात जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ की हैं, जिससे

करोड़ों श्रद्धालु सुरक्षित और उत्साहपूर्वक यात्रा पूरी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में कांवड़ यात्रियों के सम्मान और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

सुरेश राणा ने कांवड़ियों की सेवा को पुण्य का कार्य बताते हुए कहा कि समाज के सहयोग से लगाए जा रहे सेवा शिविर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और सामाजिक समरसता के जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने शिविर संचालकों, स्वयंसेवकों और प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व गन्ना समिति अध्यक्ष वीर सिंह मलिक, अशोक प्रधान, रामकुमार शर्मा, पवन कुमार शर्मा, मोहित शर्मा, दिनेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त, ग्रामीण और क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

डीपफेक पर सख्ती का समय: लोकतंत्र, तकनीक और जवाबदेही की नई परीक्षा

डिजिटल क्रांति ने दुनिया को अभूतपूर्व गति से जोड़ने का काम किया है। आज सूचनाएं कुछ ही सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती हैं। लेकिन इस सुविधा के साथ एक गंभीर चुनौती भी पैदा हुई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग ने डीपफेक जैसी तकनीकों को आम लोगों की पहुंच में ला दिया है। अब किसी भी व्यक्ति की आवाज, चेहरा या वीडियो को इस तरह बदला जा सकता है कि वास्तविक और नकली के बीच अंतर करना बेहद कठिन हो जाए। यही कारण है कि हाल के दिनों में डीपफेक केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय व्यवस्था, सामाजिक विश्वास और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। ऐसे समय में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को उनके द्वारा दायर मानहानि मामले में अंतरिम राहत देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उनके खिलाफ प्रसारित कथित मानहानिकारक और डीपफेक सामग्री हटाने का निर्देश देना एक महत्वपूर्ण न्यायिक हस्तक्षेप माना जाना चाहिए। यह आदेश केवल एक मंत्री की प्रतिष्ठा की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश को यह संदेश देता है कि डिजिटल मंचों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी की छवि को झूठ और तकनीक के सहारे धूमिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

मामले की पृष्ठभूमि में ई-20 इथेनॉल मिश्रित ईंधन कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसे वीडियो और पोस्ट हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उनके परिवार को कथित रूप से निजी लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों से जोड़ने का प्रयास किया गया। गडकरी ने अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए कहा कि यह सामग्री झूठी, भ्रामक, मानहानिकारक और एआई की मदद से तैयार की गई है। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान न्यायालय ने प्रथम दृष्टया इन सामग्रियों को आपत्तिजनक मानते हुए संबंधित सोशल मीडिया कंपनियों को इन्हें हटाने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने यह भी संकेत दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल तकनीकी मध्यस्थ होने का दावा कर अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकते। यदि किसी मंच के माध्यम से झूठी और मानहानिकारक सामग्री व्यापक स्तर पर प्रसारित हो रही है तो उस मंच की भी सामाजिक और कानूनी जिम्मेदारी बनती है।

दरअसल, यह मामला किसी एक नेता या राजनीतिक दल का नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश और दुनिया में अनेक अभिनेता, खिलाड़ी, उद्योगपति, पत्रकार, न्यायाधीश, सरकारी अधिकारी और आम नागरिक डीपफेक तकनीक का शिकार हो चुके हैं। महिलाओं की तस्वीरों और वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की घटनाएं बढ़ी हैं। चुनावों के दौरान नेताओं के फर्जी भाषण तैयार किए गए, नकली वीडियो प्रसारित किए गए और मतदाताओं को भ्रमित करने की कोशिशें हुईं। वित्तीय अपराधों में भी एआई से तैयार आवाजों का उपयोग कर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की जा रही है। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि डीपफेक पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो इसका असर केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं, चुनावी प्रक्रिया और सामाजिक विश्वास पर भी पड़ेगा।

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। सरकारों की आलोचना करना, नीतियों पर सवाल उठाना और सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता की मांग करना हर नागरिक का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार किसी व्यक्ति के खिलाफ झूठ गढ़ने, नकली वीडियो बनाने या एआई के माध्यम से फर्जी सामग्री तैयार कर उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की छूट नहीं देता। स्वस्थ आलोचना और सुनियोजित दुष्प्रचार के बीच स्पष्ट अंतर है। यदि कोई तथ्य और प्रमाण के आधार पर सवाल उठाता है तो वह लोकतंत्र की मजबूती है, लेकिन यदि कृत्रिम तकनीक का इस्तेमाल कर किसी की छवि खराब करने की कोशिश की जाती है तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं बल्कि डिजिटल अपराध है। इसलिए न्यायालय का यह संदेश समयानुकूल है कि तकनीक का दुरुपयोग किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

~ मौलिक चिंतन ~

जिनके आंसू पोंछने वाला कोई नहीं होता है, वे अक्सर रोते भी नहीं हैं।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

हिरोशिमा दिवस: तीसरे विश्वयुद्ध की आहट और हिरोशिमा का सबक

दिलीप कुमार पाठक

इक्यासी साल पहले छह अगस्त उन्नीस सौ पैंतालीस को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया था, वह सिर्फ एक शहर की तबाही नहीं थी। उसने चंद सेकेंड में लाखों लोगों को मार डाला और जो बचे, वे पीढ़ियों तक घिसट-घिसट कर मरने के लिए मजबूर हो गए। आज भी जब हम उस दिन की कल्पना करते हैं तो सबसे बड़ा डर यह है कि दुनिया फिर से उसी रास्ते पर चल पड़ी है। चारों तरफ बस लड़ाई-झगड़े और तनाव का माहौल है। रूस और यूक्रेन के बीच सालों से चल रही जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है। उधर पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल, हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के बीच का झगड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा लगता है कि दुनिया के बड़े देश किसी भी दिन एक दूसरे पर परमाणु हमला कर देंगे। मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार बहुत पते की बात कही थी कि मैं यह तो नहीं जानता कि तीसरा विश्वयुद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्वयुद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कथन आज की कड़वी सच्चाई है। इस पूरी बबार्दी के पीछे साफ तौर पर अमेरिका की दादागिरी दिखाई देती है। वह अपने फायदे के लिए यूक्रेन के बहाने रूस को घेरने की जिद पर अड़ा है। नाटो सेनाओं का विस्तार करके वह आग में घी डालने का काम कर रहा है।

पश्चिम एशिया के मामले में भी अमेरिकी नीतियां और उसके हथियार शांति लाने के बजाय लड़ाई को और भड़का रहे हैं। आज दुनिया के नौ देशों के पास लगभग बारह हजार परमाणु बम मौजूद हैं। जरा सोचिए, जिस एक बम ने हिरोशिमा को श्मशान बना दिया था, आज के बम उससे हजारों गुना ज्यादा खतरनाक हैं। ऊपर से बड़े देशों के नेता जरा-जरा सी बात पर परमाणु हमले की धमकी देने लगते हैं। रूस के राष्ट्रपति कई बार पश्चिमी देशों को परमाणु हमले का डर दिखा चुके हैं, जो साफ करता है कि इन महाशक्तियों का अहंकार कितना बढ़ चुका है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएनओ की भूमिका बिल्कुल बेकार साबित हुई है। इस संस्था को बनाया ही इसलिए गया था ताकि दुनिया में दोबारा कोई बड़ा युद्ध न हो। लेकिन आज यह बड़ी ताकतों के सामने बिल्कुल लाचार और बेबस दिखती है। शक्तिशाली देश इसके नियमों को अपने जूते की नोक पर रखते हैं और अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल करके मनमानी करते हैं। यूएनओ न तो रूस और यूक्रेन की लड़ाई रुकवा पाया और न ही पश्चिम एशिया में बेकसूर बच्चों और नागरिकों को मरने से बचा पा रहा है। गाजा में हजारों मासूमों की मौत पर भी यूएनओ कोई ठोस कदम नहीं उठा सका। अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ कमजोर देशों को डराने के लिए रह गए हैं, जबकि ताकतवर देश खुलेआम नियमों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।

जब पूरी दुनिया इस तरह आपस में लड़ रही है, तब भारत का नजरिया सबसे अलग और सही है। हमारे देश ने कभी किसी पर अपनी मर्जी थोपने या किसी की जमीन हड़पने की कोशिश नहीं की। भारत ने हमेशा दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध का रास्ता दिखाया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। भारत इसी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ता है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। हमारे पास परमाणु हथियार हैं, लेकिन हमारी नीति बिल्कुल साफ है कि हम अपनी तरफ से पहले कभी किसी पर हमला नहीं करेंगे। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी की बात है। भारत ने हमेशा अमेरिका जैसी ताकतों की मनमानी का विरोध किया है और एक ऐसी दुनिया की वकालत की है जहां सब बराबर हों।हिरोशिमा की त्रासदी झेलने वाले रो-रोकर दुनिया से यही कह रहे हैं कि जो उनके साथ हुआ वह दोबारा किसी के साथ न हो। हिरोशिमा दिवस सिर्फ एक पुराना किस्सा याद करने का दिन नहीं है। यह दुनिया के बड़े नेताओं को अपना अहंकार छोड़ने की चेतावनी देने का दिन है। हथियार और जंग कभी किसी मसले का हल नहीं हो सकते। नेताओं की सनक के चक्कर में आम जनता अपनी जान गंवाती है। ट्रम्प, पुतिन, शी जंपिंग जैसे नेताओं को समझना होगा सृष्टि निर्माण पुनः नहीं होगा, बस इसी को सहेजने की दरकार है।

(लेखक पत्रकार हैं)

त्योहारी मौसम में बढ़ती लागत और महंगाई की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में अगस्त से नवंबर तक का समय धार्मिक और त्योहारी उत्सवों का मौसम माना जाता है। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में खरीदारी अपने चरम पर रहती है। यही वह समय होता है जब परिवार कपड़े, घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वाहन, मिठाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद अधिक करते हैं। लेकिन इस बार त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही महंगाई का दबाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कच्चे माल और ऊर्जा की लागत में वृद्धि के कारण कई प्रमुख उपभोक्ता कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट और त्योहारी खर्च पर पड़ेगा।

उद्योग जगत की ओर से मिले संकेत बताते हैं कि डिटर्जेंट, साबुन, टूथपेस्ट, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, चाय, हेयर ऑयल, पेंट, घरेलू उपकरण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ अन्य उत्पादों के दाम चरणबद्ध तरीके से बढ़ाए जा सकते हैं। कई कंपनियां पहले ही अपने उत्पादों की कीमतों में सीमित वृद्धि कर चुकी हैं, जबकि कुछ कंपनियां आने वाले महीनों में नई मूल्य सूची लागू करने की योजना बना रही हैं। उनका तर्क है कि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और लंबे समय तक इसका पूरा बोझ स्वयं उठाना संभव नहीं है।

महंगाई के इस संभावित दौर का सबसे बड़ा कारण कच्चे माल और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें हैं। अधिकांश उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण में पेट्रोलियम आधारित रसायनों, पैकेजिंग सामग्री, धातुओं, प्लास्टिक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल का उपयोग होता है। इनकी कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत स्वतः बढ़ जाती है। इसके साथ ही बिजली, ईंधन और परिवहन खर्च में वृद्धि होने से कंपनियों की लॉजिस्टिक लागत भी बढ़ती है। जब उत्पादन से लेकर वितरण तक हर स्तर पर लागत बढ़ती है तो कंपनियों के सामने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने के अलावा सीमित विकल्प बचते हैं।

पश्चिम एशिया में लंबे समय से बने भू-राजनीतिक तनाव का असर भी वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता बल्कि प्लास्टिक, पैकेजिंग, रसायन उद्योग और परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा महंगी होने का असर धीरे-धीरे घरेलू बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं तक पहुंच जाता है।

त्योहारी मौसम में मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। कंपनियां भी इस अवधि में बिक्री बढ़ाने की उम्मीद करती हैं। यदि लागत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ता खरीदारी जारी रखते हैं तो कंपनियों के लिए मूल्य वृद्धि लागू करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। उद्योग जगत का मानना है कि मजबूत मांग के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकता है। हालांकि कंपनियां यह भी देख रही हैं कि कीमत बढ़ने के बाद उपभोक्ताओं की खरीदारी पर कितना प्रभाव पड़ता है। यदि मांग कमजोर पड़ती है तो आगे मूल्य वृद्धि की गति धीमी हो सकती है।

हाल के महीनों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार में सकारात्मक गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं। इससे कंपनियों को विश्वास है कि त्योहारी सीजन में बिक्री अच्छी रहेगी। फिर भी लगातार बढ़ती कीमतें मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों की चिंता बढ़ा सकती हैं। जिन परिवारों का मासिक बजट पहले से ही सीमित है, उनके लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर अतिरिक्त खर्च करना आसान नहीं होगा।

महंगाई का प्रभाव केवल भोजन या घरेलू सामान तक सीमित नहीं रहता। जब साबुन, डिटर्जेंट, खाद्य तेल, चाय, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहन जैसी वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवारों को अपने खर्च की प्राथमिकताएं बदलनी पड़ती हैं। कई बार लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद तक सीमित हो जाते हैं और अन्य खर्च टाल देते हैं। इससे उपभोग के स्वरूप में बदलाव आता है और बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

भारतीय रिजर्व बैंक का खुदरा महंगाई लक्ष्य चार प्रतिशत के आसपास रखा गया है ताकि आम लोगों की क्रय शक्ति पर अधिक दबाव न पड़े। लेकिन जब वैश्विक कारणों से ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मौसम की परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि मानसून सामान्य रहता है और कृषि उत्पादन अच्छा होता है तो खाद्य महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण संभव है। वहीं यदि मौसम प्रतिकूल रहता है तो खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

त्योहारी मौसम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसी दौरान उपभोक्ता खर्च में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। व्यापारी, निमार्ता और सेवा क्षेत्र सभी इस अवधि पर काफी हद तक निर्भर रहते हैं। इसलिए कंपनियां भी कोशिश करती हैं कि मूल्य वृद्धि को धीरे-धीरे लागू किया जाए ताकि ग्राहकों पर अचानक अधिक बोझ न पड़े। कई कंपनियां छोटे पैक, विशेष छूट और प्रचार योजनाओं के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो बढ़ती लागत और महंगाई के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। एक ओर कंपनियों को अपने उत्पादन और कारोबार को लाभकारी बनाए रखना होता है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता भी बनी रहनी चाहिए। यदि कीमतें अत्यधिक बढ़ती हैं तो मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि लंबे समय तक लागत का पूरा बोझ कंपनियां स्वयं उठाएं तो उनके लाभ और निवेश पर असर पड़ सकता है। इसलिए मूल्य निर्धारण में संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होता है।

आने वाले महीनों में महंगाई की दिशा कई कारकों पर निर्भर करेगी। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया की स्थिति, मानसून का प्रदर्शन, परिवहन लागत और घरेलू मांग सभी इस पर प्रभाव डालेंगे। यदि वैश्विक परिस्थितियों में सुधार होता है और कच्चे माल की कीमतें स्थिर होती हैं तो भविष्य में मूल्य वृद्धि की गति धीमी पड़ सकती है। वहीं यदि लागत का दबाव लगातार बना रहता है तो रोजमर्रा के कई उत्पादों की कीमतों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

त्योहारी उल्लास के बीच बढ़ती महंगाई निश्चित रूप से आम उपभोक्ताओं के लिए चुनौती लेकर आ सकती है। ऐसे समय में विवेकपूर्ण खर्च, आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना और संतुलित आर्थिक योजना बनाना परिवारों के लिए उपयोगी होगा। साथ ही उद्योग, बाजार और नीति निमार्ताओं के बीच ऐसा संतुलन बनाना भी आवश्यक है जिससे उत्पादन लागत की वास्तविक चुनौतियों का समाधान हो और उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी न बढ़े। यही संतुलन देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम नागरिकों के हित में सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहेगा।

अनुच्छेद 370 पर बदजुबानी कर रहे थे जरदारी और शहबाज शरीफ, मोदी ने खुद आगे आकर दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ पर पाकिस्तान ने एक बार फिर पुराना राग अलापने की कोशिश की, लेकिन उसकी इस बदजुबानी का करारा जवाब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए एक निर्णायक नए युग की शुरूआत था। उन्होंने दो टूक कहा कि बीते सात वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने विकास, सुशासन और सामाजिक सशक्तिकरण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया, जब पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के इस संवैधानिक फैसले को लेकर फिर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विवाद खड़ा करने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे महिलाओं, अनुसूचित वर्गों और अन्य वंचित समुदायों को अब भारतीय संविधान का पूरा संरक्षण और अधिकार मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, उद्यमिता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और केंद्र सरकार इन क्षेत्रों को विकसित भारत की यात्रा का मजबूत भागीदार बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस वर्ष अनुच्छेद 370 हटाए जाने की वर्षगांठ इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के वर्ष में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए डॉ. मुखर्जी ने जिस संकल्प का सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक बार फिर 5 अगस्त को तथाकथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाते हुए भारत के खिलाफ बयानबाजी की। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दावा किया कि भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त कर अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखेगा तथा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहेगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसी सुर में बयान देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान पाकिस्तान की विदेश नीति का प्रमुख आधार बना रहेगा। उन्होंने भारत पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। वहीं उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी भारत के 5 अगस्त 2019 के फैसले को एकतरफा बताते हुए संयुक्त राष्ट्र से इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग दोहराई। कुल मिलाकर देखें तो पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर वही पुराने आरोप लगाए, जिन्हें भारत लगातार खारिज करता रहा है।

हालांकि पाकिस्तान की यह बयानबाजी इसलिए भी खोखली और दोगली नजर आती है क्योंकि जो देश कश्मीरियों के अधिकारों की दुहाई देता है, वही पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में अपने ही कब्जे वाले इलाके के लोगों पर दमनचक्र चला रहा है। हाल ही में खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने पीओजेके में आंदोलन कर रहे स्थानीय लोगों को भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन तक करार दिया। पीओजेके में असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्हें दबाने के लिए बल प्रयोग किया जा रहा है। कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, बिजली की आपूर्ति बाधित की गई, राशन और आवश्यक सुविधाओं पर भी असर पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनकी आवाज को बलपूर्वक कुचला जा रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों के साथ न्याय नहीं कर पा रहा, वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की चिंता जताने का नैतिक अधिकार कैसे रखता है? स्पष्ट है कि कश्मीर के नाम पर पाकिस्तान की राजनीति महज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रचार और दुष्प्रचार तक सीमित रह गई है।

दूसरी ओर, अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं को तेज गति मिली है। श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी और वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी जैसी वैश्विक पहचान मिली है। डल झील में संगीत फव्वारे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने क्षेत्र में बढ़े विश्वास और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। सड़क, रेल और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, शिक्षा और उद्यमिता के नए अवसर पैदा हुए हैं तथा स्थानीय हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। पत्थरबाजी खत्म हो गयी है, अलगाववादी टूट चुके हैं और आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है।

बहरहाल, सात वर्षों बाद तस्वीर बिल्कुल साफ है। एक ओर पाकिस्तान है, जो अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों को ही दमन, इंटरनेट बंदी, बिजली कटौती और सैन्य कार्रवाई के साये में जीने को मजबूर कर रहा है, जबकि दूसरी ओर भारत का मुकुट जम्मू-कश्मीर है, जो विकास, निवेश, पर्यटन, रोजगार और सुशासन की नई पहचान बना रहा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक बदलाव नहीं था, बल्कि जम्मू-कश्मीर को अलगाववाद और पिछड़ेपन के दौर से निकालकर विकास और राष्ट्रीय एकीकरण की मुख्यधारा में लाने वाला निर्णायक मोड़ साबित हुआ। यही वजह है कि आज पाकिस्तान के आरोपों से अधिक प्रभावशाली वह बदली हुई तस्वीर है, जिसे जम्मू-कश्मीर की धरती पर विकास, शांति और जनविश्वास के रूप में पूरी दुनिया देख रही है।
~~~~~~~~~

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं–

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

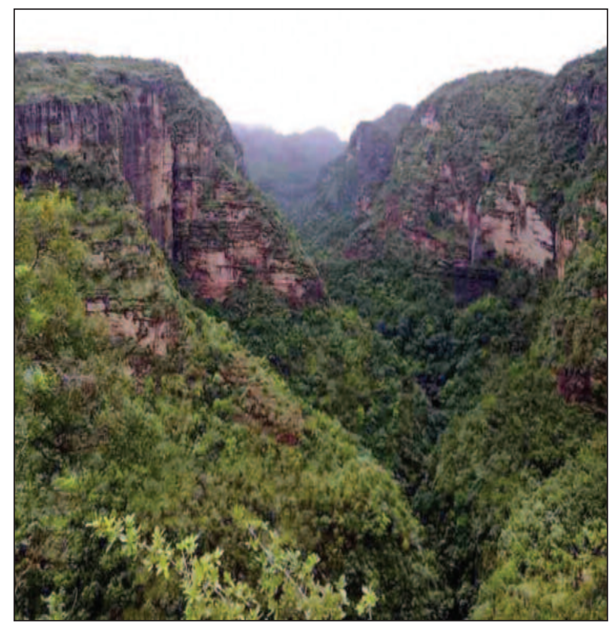

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक संकेतों ने इन कीमती धातुओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। विशेष रूप से, चांदी लगातार तीसरे कारोबारी दिन बढ़त बनाए रखने में सफल रही है, जो बाजार में उसकी मजबूत मांग को दर्शाता है।राजधानी नई दिल्ली के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,42,900 प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर पर बनी हुई हैं, जो बाजार में मजबूत धारणा को दर्शाती हैं। हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना इस स्तर पर स्थिर कारोबार कर रहा है, लेकिन यह पिछले सत्रों की तेजी और कुल मिलाकर सकारात्मक रुझान को दर्शाता है। वहीं, चांदी ने अपनी चमक और बढ़ाई है, और अब यह 2,23,654 प्रति किलोग्राम के आंकड़े को पार कर गई है। चांदी की यह लगातार तीसरी दैनिक बढ़त बाजार में उसकी मजबूत मांग और निवेशकों की दिलचस्पी को उजागर करती है।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। सोने की कीमत 0.82 प्रतिशत उछलकर डॉलर 4,186 प्रति औंस पर पहुंच गई है, जबकि चांदी ने और भी तेज रफ्तार पकड़ी है। चांदी 1.30 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 61.03 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। वैश्विक स्तर पर इन धातुओं की बढ़ती कीमतें घरेलू बाजारों पर भी सीधा असर डाल रही हैं, जिससे भारतीय निवेशकों को भी लाभ मिल रहा है।इस तेजी के पीछे कई आर्थिक कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। प्रमुख रूप से, कच्चे तेल की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच महंगाई बढ़ने की चिंताओं को कुछ हद तक कम किया है। महंगाई कम होने की उम्मीद से सोने जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली संपत्ति की मांग बढ़ती है, क्योंकि यह पारंपरिक रूप से मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव के रूप में देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, निवेशकों को अब यह उम्मीद है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम हो सकती है। ब्याज दरों में कम बढ़ोतरी का मतलब है कि गैर-लाभकारी संपत्ति होने के बावजूद सोने में निवेश अधिक आकर्षक हो जाता है, क्योंकि इसकी अवसर लागत कम हो जाती है।

बाजार की निगाहें अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी फैसलों पर टिकी हैं। फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति से जुड़ी घोषणाएं और ब्याज दरों पर उसका रुख आने वाले समय में सोने की कीमतों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जब तक ब्याज दरों को लेकर स्पष्टता नहीं आती, तब तक बाजार में कुछ अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन मौजूदा संकेत सोने और चांदी के लिए सकारात्मक बने हुए हैं, जिससे आने वाले समय में भी इनकी कीमतों में और मजबूती देखने को मिल सकती है। निवेशक इस समय सतर्कता के साथ निवेश के अवसरों पर नजर बनाए हुए हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावना के बाद कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं। बुधवार को ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों ही सबसे निचले स्तर पर आ गए। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी फिसलकर 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया। जबकि अमेरिकी क्रूड भी 5 फीसदी से ज्यादा गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया। दोनों बेंचमार्क 13 जुलाई के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर कामकाज करते दिखे। अभी ब्रेंट करीब 78.31 डॉलर और डब्ल्यूटीआई 74.42 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान और ओमान के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उम्मीद है कि जल्द ही होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू हो सकती है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने भी कहा कि एक-दो दिनों में इस संबंध में समझौता हो सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 152 अंक , निफ्टी 9 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबार दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच ही खरीददारी से बाजार ऊपर आया। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले से पहले निवेशकों की खरीदारी के साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच शीर्ष समझौते की उम्मीद से भी बाजार ऊपर आया है

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 152 अंक की बढ़त के साथ ही 78,581.00 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 9 अंक उछलकर 24,624.65 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।आज मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप बाजार बंद होने तक 2 अंकों की बढ़त के साथ ही 18,218.45 अंक पर बंद हुआ।आज श्रीराम फाइनेंस, ग्रेसिम, हिंडाल्को, जुबिलेंट फूड और बॉश के के अलावा पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि अपोलो अस्पताल, एचसीएल टेक और टीसीएस कल्याण ज्वेलर्स,

मैरिको आदि के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार के दौरान सेंसेक्स 490.67 अंक की बढ़त के साथ ही 78,919.62 पर कारोबार करता दिखा जबकि निफ्टी तकरीबन 29.60 अंक बढ़कर 24,643.90 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 इंडेक्स में इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

एनएसई बंद भाव का असर म्युचुअल फंड योजनाओं के शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य पर पड़ा

नई दिल्ली,। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सोमवार को बंद भाव में विसंगति का असर म्युचुअल फंड योजनाओं के शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य पर भी पड़ा। इससे दिन में लेनदेन करने वाले निवेशकों को अलग-अलग नतीजे मिले, जिन निवेशकों ने दोपहर 3 बजे की कट-ऑफ से पहले लार्जकैप शेयरों पर केंद्रित योजनाओं में निवेश किया उन्हें ज्यादा भुगतान करना पड़ा लेकिन कट-ऑफ से पहले रिडेम्पशन ऑर्डर देने वालों को बढ़े हुए एनएवी का फायदा मिला। म्युचुअल फंड के एनएवी की गणना सबसे ज्यादा खरीद-फरोख्त वाले स्टॉक एक्सचेंज पर संबंधित शेयरों के बंद भाव का इस्तेमाल करते हुए की जाती है। अधिकतर मामलों में स्टॉक एक्सचेंज एनएसई होता है। इसलिए उन चुनिंदा शेयरों में आखिरी समय में आई तेजी की वजह से एनएवी बढ़ गए जो नए क्लोजिंग प्राइस सेशन ढांचे में चले गए हैं। अगर 3.15 बजे के स्तर पर तुलना की जाए तो निफ्टी 50 में कारोबार बंद होने तक 0.82 फीसदी की और बढ़त हुई। लार्जकैप और फ्लेक्सी कैप फंडों के लिए व्यापक तौर पर ट्रैक किए गए बेंचमार्क निफ्टी 100 में 0.76 फीसदी और निफ्टी 500 में 0.59 फीसदी की बढ़त हुई। निफ्टी मिडकैप 150 में 0.36 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई लेकिन निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोटे तौर पर अपरिवर्तित रहा क्योंकि इसके अधिकांश घटक क्लोजिंग ऑक्शन फ्रेमवर्क का हिस्सा नहीं हैं जो फिलहाल केवल वायदा एवं विकल्प अनुबंध वाले शेयरों को कवर करता है।

रीट और इनविट में निवेश करने वालों के लाभांश पर कोई कर नहीं लगेगा

एसपीवी पर अधिभार बढ़ाकर होने वाले नुकसान की भरपाई का प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली,।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) और इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) में निवेश करने वालों के लाभांश पर पहले की तरह कोई कर नहीं लगेगा, भले ही उनसे जुड़ी विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) नई कर व्यवस्था को अपना लें। सरकार ऐसे एसपीवी पर अधिभार बढ़ाकर इससे होने वाले राजस्व के नुकसान की भरपाई करने का प्रस्ताव पेश किया है। कर विशेषज्ञों के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किए गए कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत इन एसपीवी के लिए प्रभावी कॉरपोरेट कर की दर करीब 25.2 फीसदी से बढ़कर 28.6 फीसदी हो जाएगी। विधेयक के प्रस्ताव के तहत रियायती कॉरपोरेट कर व्यवस्था चुनने वाली एसपीवी पर अधिभार 10 फीसदी से बढ़कर 25 फीसदी हो जाएगा, साथ ही उन यूनिट धारकों को लाभांश कर से छूट मिलेगा जिनकी एसपीवी नई व्यवस्था में चली गई है। हालांकि नई कर व्यवस्था में जाने के बाद भी एसपीवी को एकत्र न्यूनतम वैकल्पिक कर क्रेडिट को आगे ले जाने और इस्तेमाल करने की अनुमति होगी, जैसा कि दूसरी कंपनियों के मामले में होता है।

2,000 रुपए से ऊपर का लेन-देन किया तो लग सकता है मर्चेन्ट शुल्क?

केंद्र सरकार मुफ्त यूपीआई भुगतान प्रणाली में कर सकती है नीतिगत बदलाव

नई दिल्ली,।

भारत की मुफ्त यूपीआई भुगतान प्रणाली में अब बड़ा नीतिगत बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने संसद में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम एक्ट में संशोधन के लिए प्रस्ताव पेश किया है, जिससे भविष्य में चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट शुल्क लगाने का रास्ता साफ हो सकता है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किए इस संशोधन के तहत फिलहाल कोई तत्काल शुल्क लागू नहीं किया गया है, बल्कि एक कानूनी ढांचा तैयार किया जा रहा है। 2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर 0.3 फीसदी से 0.5 फीसदी तक का मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। राहत की बात यह है कि इस शुल्क का बोझ आम उपभोक्ताओं पर पड़ने की संभावना नहीं है। यह शुल्क केवल उन व्यापारियों पर लागू होगा जिनका सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसका मतलब है कि आपके पास की छोटी दुकानों और छोटे कारोबारियों के लिए यूपीआई लेनदेन पहले की तरह ही मुफ्त रहेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि बिना किसी शुल्क के यूपीआई सेवाएं देना लंबे समय के लिए टिकाऊ नहीं है। मर्चेंट शुल्क न होने के कारण कंपनियों के लिए नई तकनीक में निवेश करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई के महीने में यूपीआई के जरिए 29.9 ट्रिलियन रुपए मूल्य के 23.6 बिलियन लेनदेन हुआ। हालांकि 2000 रुपए से ज्यादा के लेनदेन कुल संख्या का केवल 4 फीसदी हैं, लेकिन कुल मूल्य में इनकी हिस्सेदारी 67 फीसदी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सेगमेंट पर शुल्क लगाने से डिजिटल भुगतान उद्योग को सालाना 5,000 करोड़ से 10,000 करोड़ रुपये तक का राजस्व मिलने की उम्मीद है।सरकार ने साफ किया है कि यह अभी केवल एक कानूनी प्रावधान है। जब तक इस पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक यूपीआई भुगतान मौजूदा व्यवस्था के तहत पूरी तरह मुफ्त बना रहेगा। सरकार अभी इस बात पर विचार कर रही है कि शुल्क की दर क्या हो और इसे किन लेनदेन पर लागू किया जाए।

त्योहारों पर नहीं होगी तेल की कमी, रिफाइनरियों के पास है पाम व सोयाबीन का स्टॉक

जुलाई में भारत का कुल खाद्य तेल आयात 34फीसदी बढ़कर 14.9 लाख टन पहुंचा

नई दिल्ली,।

आगामी त्योहारी सीजन में भारत में खाने के तेल की कोई किल्लत नहीं होगी। देश की तेल रिफाइनरियों ने त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए पहले से कमर कस रखी है और पाम व सोयाबीन तेल का बंपर स्टॉक रखा है। जुलाई में भारत का कुल खाद्य तेल आयात 34फीसदी बढ़कर 14.9 लाख टन पहुंच गया है। यह खाने के तेल के आयात का पिछले 10 महीनों का सबसे उच्चतम स्तर है।डीलरों के मुताबिक भारतीय रिफाइनरियों ने पिछले कुछ महीनों से विदेशों से खाद्य तेलों की खरीद में भारी बढ़ोतरी की है। जुलाई में पाम ऑयल का आयात जून के मुकाबले 50फीसदी बढ़कर 7.33 लाख मीट्रिक टन पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का सबसे ऊंचे स्तर पर है।इसी तरह सोयाबीन तेल का आयात भी 32फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ 5.01 लाख टन हो गया। यह पिछले साल महीनों में सबसे ज्यादा आयात है। सूरजमुखी तेल की आवक भी बढ़ी है और इसका इंपोर्ट जुलाई में 4फीसदी बढ़कर 2.53 लाख टन हो गया है।

मुंबई स्थित वनस्पति तेल ब्रोकरेज फर्म सनविन ग्रुप के सीईओ का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में आयात कम होने की वजह से घरेलू बाजार में खाद्य तेल का स्टॉक घट गया था।घरेलू स्तर पर सरसों और सोयाबीन की क्रशिंग भी कम हो रही थी। अगस्त से नवंबर में भारत में त्योहारों के चलते खाद्य तेलों की खपत अपने चरम पर होती है।

इसी वजह से रिफाइनर्स ने विदेशों से एडिबल ऑयल की सप्लाई बढ़ा दी है।गुजरात के जीजीएन रिसर्च के मैनेजिंग पार्टनर का कहना है कि अगस्त और सितंबर महीनों में भी सोयाबीन तेल का आयात हर महीने पांच लाख मीट्रिक टन से ज्यादा रहने का अनुमान है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 95.10 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 70 पैसे की मजबूती के साथ 94.89 के स्तर पर खुला। आरबीआई (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक और सकारात्मक वैश्विक संकेतों से पहले रुपये में सुधार दर्ज किया गयावहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अपेक्षाकृत कम कीमतों और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से आयातकों की डॉलर की मांग पर असर पड़ा।

सड़क हादसे रोकने नए दोपहिया और चारपहिया वाहनों में वी2वी सिस्टम होगा अनिवार्य

नई दिल्ली।

अक्टूबर 2028 से बनने वाले नए वाहनों में वाहन-से-वाहन (वी2वी) संचार प्रणाली अनिवार्य तौर पर लगानी पड़ सकती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में बताया कि इस साल की शुरुआत में घोषित सड़क सुरक्षा प्रौद्योगिकी को चरणबद्ध तरीके से लागू करने कदम उठाया जा रहा है। 1 अक्टूबर 2028 या उसके बाद बनने वाले दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया यात्री और ढुलाई वाहनों को एआईएस-230 के अनुरूप वी2वी संचार प्रणाली से लैस करना जरुरी होगा। मसौदा दिशा-निर्देश में यह भी कहा गया है कि अक्टूबर 2027 से अगर वाहनों में वी2वी संचार प्रणाली फिट की जाती है तो उसे समय-समय पर संशोधित एआईएस-230 का अनुपालन करना होगा। इससे संकेत मिलता है कि 2028 तक बनने वाले नए वाहनों के लिए वी2वी प्रणालियों का अनुपालन वैकल्पिक रहेगा।वी2वी एवं अन्य इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) ऐप्लिकेशन के लिए 5.875 गीगाहर्ट्ज से 5.925 गीगाहर्ट्ज आवृत्ति बैंड पर विचार किया गया है। दूरसंचार विभाग ने जून में इस आवृत्ति बैंड के उपयोग को लाइसेंसिंग आवश्यकताओं से छूट दी थी। मंत्रालय के मुताबिक वी2वी संचार प्रणाली आसपास के वाहनों को उनकी गति, स्थिति, दिशा, एक्सेलेरेशन आदि तमाम जानकारियों को वास्तविक समय पर आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाती है। यह जानकारी ड्राइवरों या वाहन प्रणालियों को सुरक्षा के लिहाज से अहम स्थितियों में पूर्व

चेतावनी प्रदान कर सकती है। इसमें अचानक ब्रेक लगाना, आगे टक्कर का जोखिम, असुरक्षित लेन बदलना और आपातकालीन वाहनों का आगमन शामिल है।मंत्रालय ने कहा कि पारंपरिक वाहन सुरक्षा प्रणालियां मुख्य तौर पर ऑनबोर्ड सेंसर और ड्राइवर की प्रतिक्रिया पर निर्भर करती हैं। मगर वी2वी संचार प्रणाली सीधे तौर पर न दिखने वाली जानकारियां भी प्रदान कर सकती है। ऐसे में इससे उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली को पूरक बनाने और संभावित दुर्घटना से निपटने, कनेक्टेड मोबिलिटी और भविष्य के इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट ऐप्लिकेशन को मदद मिलने की उम्मीद है।

सरकार ने हितधारकों को प्रस्तावित नियमों पर राय देने के लिए अगस्त के अंतिम सप्ताह तक का समय दिया है।

इलेक्ट्रिक बसों-ट्रकों के स्थानीयकरण नियम लागू करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने भारी उद्योग मंत्रालय से किया अनुरोध

नई दिल्ली,।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने भारी उद्योग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों के लिए स्थानीयकरण के नियम लागू करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए। उसने यह मियाद 1 अप्रैल 2027 करने का आग्रह किया है। अभी यह समय-सीमा 1 सितंबर 2026 तय की गई थी। सायम का कहना है कि चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगा है जिससे इन मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा आ रही है। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों की ट्रैक्शन मोटर बनाने के लिए बहुत जरूरी है।रिपोर्ट के मुताबिक सायम ने 22 जुलाई को मंत्रालय को भेजे अपने पत्र में यह मांग की थी। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रिक बस और ट्रक निर्माता कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर के अहम घटकों का निर्माण भारत में करना जरुरी है। सरकार पहले इन नियमों को 1 सितंबर 2025 से लागू करना चाहती थी लेकिन उद्योग की मांग पर इसे दो बार पहले ही टाला जा चुका है। अब सायम का कहना है कि चीन ने डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे भारी रेयर अर्थ तत्वों और परमानेंट मैग्नेट के निर्यात पर नियंत्रण लगा दिया है। इससे पूरी दुनिया में इन मैग्नेट की आपूर्ति अस्त-व्यस्त हुई है। यह मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों में इस्तेमाल होने वाली ट्रैक्शन मोटर के लिए अहम है।उद्योग संगठन ने कहा कि हालांकि कुछ कंपनियों को निर्यात की अनुमति मिली है, लेकिन हर खेप के लिए सरकार की मंजूरी लेनी पड़ती है। इससे सामान मिलने में काफी समय लग रहा है और आपूर्ति अनिश्चित बनी हुई है। सायम ने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण माल ढुलाई में ज्यादा समय लग रहा है।

जियो ब्लैकरॉक पहला ईटीएफ लॉन्च, इस फंड में कोई लॉक इन पीरियड नहीं

-निवेशकों को देश की 50 प्रमुख लिस्टेड कंपनियों में निवेश का मिलेगा मौका

नई दिल्ली,।

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपना पहला एक्सचेंज ट्रेडड फंड (ईटीएफ) लॉन्च किया है। इस नए फंड का नाम जियोब्लैकरॉक निफ्टी 50 ईटीएफ है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी फंड है। यह ईटीएफ निफ्टी 50 इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिससे निवेशकों को एक ही निवेश के जरिए देश की 50 प्रमुख लिस्टेड कंपनियों में निवेश का मौका मिलेगा। इस स्कीम का न्यू फंड ऑफर 4 अगस्त से खुल गया है, निवेशक इसमें 11 अगस्त तक निवेश कर सकेगा। यूनिट आवंटन के बाद यह स्कीम पांच कारोबारी दिनों के भीतर दोबारा निवेश के लिए खुलेगी। इस फंड में निवेशक न्यूनतम 500 रुपए से और उसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल में निवेश शुरू कर सकते हैं। इस फंड में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है और न ही किसी तरह की एग्जिट लोड फीस है यानी निवेशक जब चाहें तब इस फंड की यूनिट्स बेच सकते हैं। तन्वी कचेरिया, आनंद शाह और हरेश मेहता इस स्कीम के फंड मैनेजर्स हैं। इस फंड का बेंचमार्क निफ्टी 50 टीआरआई है। फंड हाउस के मुताबिक 30 मार्च 2026 तक भारत के मार्केट कैपिटलाइजेशन का करीब 53.73 फीसदी हिस्सा रखने वाला निफ्टी 50 इंडेक्स लंबे समय से भारत के इक्विटी मार्केट के लिए एक प्रमुख बेंचमार्क रहा है और यह निवेशकों को देश की लॉन्ग-टर्म आर्थिक और कॉर्पोरेट ग्रोथ में व्यापक भागीदारी का मौका देता है।

जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि इस ईटीएफ का मकसद निवेशकों को देश की टॉप 50 कंपनियों में आसानी से निवेश का मौका देना है, ताकि वे इन कंपनियों की लंबी अवधि की ग्रोथ का लाभ उठा सकें। यह स्कीम निफ्टी 50 इंडेक्स को ट्रैक करेगी, जिससे निवेशकों को एक ही फंड में डायवर्सिफिकेशन, पारदर्शिता और आसान निवेश का फायदा मिलेगा। कंपनी के मुताबिक जियो की मजबूत डिजिटल पहुंच और भारतीय ग्राहकों की समझ को ब्लैकरॉक की वैश्विक निवेश विशेषज्ञता और ईटीएफ प्रबंधन क्षमता के साथ जोड़कर निवेशकों के लिए टेक्नोलॉजी बेस्ड इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी उपलब्ध कराए जाएंगे।फंड हाउस के मुताबिक निवेश का लक्ष्य हासिल करने के लिए यह स्कीम पैसिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर चलेगी यानी कि फंड मैनेजर बेंचमार्क इंडेक्स की ही नकल करेंगे। फंड मैनेजर निफ्टी-50 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही आपका पैसा लगाएगा। इंडेक्स में शामिल कंपनियों के वेटेज यानी भार के हिसाब से ही उस शेयर में निवेश किया जाएगा। फंड का मसकद अपने बेचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराना है। हालांकि इसमें ट्रैकिंग एरर की भी आशंका है। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट कंपनी के मुताबिक जो निवेशक एक्सचेंज ट्रेडड फंड के जरिए निफ्टी 50 इंडेक्स में निवेश करना चाहते हैं उनके लिए यह स्कीम एक विकल्प हो सकती है।

नायका कंपनी का मुनाफा 3.3 गुना बढ़कर 79.76 करोड़ रुपए पहुंचा, रेवेन्यू 29फीसदी बढ़ा

कंपनी ने 12 तिमाहियों में अच्छा प्रदर्शन किया, अपने प्लेटफॉर्म पर कई नए ब्रांड जोड़े

नई दिल्ली।

ब्यूटी और फैशन ई-कॉमर्स कंपनी नायका की पैरेंट कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बेहतर प्रदर्शन किया है। कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 3.3 गुना बढ़कर 79.76 करोड़ रुपए पहुंच गया है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 24.47 करोड़ रुपए था। वहीं, वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के मुकाबले कंपनी के मुनाफे में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी की आय में भी अच्छी बढ़त देखने को मिली है। अप्रैल-जून 2026 तिमाही में नायका का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 29 फीसदी बढ़कर 2,782 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 2,154.9 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2,648.1 करोड़ रहा था।नायका के खर्चों में सालाना आधार पर बढ़ोतरी हुई है। कंपनी का कुल खर्च वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 25.5 फीसदी बढ़कर 2,662.15 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, इसके बावजूद कंपनी की कमाई क्षमता में सुधार देखने को मिला है। कंपनी का ईबीआईटीडीए यानी ब्याज, टैक्स, डेप्रिसिएशन और अमोर्टाइजेशन से पहले की कमाई 68 फीसदी बढ़कर 236 करोड़ रुपए हो गई। इसके साथ ही ईबीआईटीडीए मार्जिन बढ़कर 8.5 फीसदी पर पहुंच गया। नायका की फाउंडर, एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन और सीईओ फाल्गुनी नायर ने कहा कि इस तिमाही में कंपनी की ग्रोथ और ईबीआईटीडीए मार्जिन ने पिछले 12 तिमाहियों में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने अपने प्लेटफॉर्म पर कई नए ब्रांड जोड़े हैं।

कंपनी के ब्यूटी कारोबार का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू सालाना आधार पर 28 फीसदी बढ़कर 4,105 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी के मुताबिक, यह बढ़ोतरी ई-कॉमर्स, रिटेल स्टोर्स, ईबी2बी डिस्ट्रीब्यूशन और हाउस ऑफ नायका ब्यूटी पोर्टफोलियो में बेहतर प्रदर्शन की वजह से हुई है। नायका का क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म नायका नॉऊ तेजी से अपना दायरा बढ़ा रहा है। फिलहाल यह सेवा 13 शहरों में उपलब्ध है और कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2027 के अंत तक इसे 25 से ज्यादा शहरों तक पहुंचाने की है।

दूसरी ओर, नायका के फैशन कारोबार में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई है। इस सेगमेंट का जीएमवी 53 फीसदी बढ़कर 1,471 करोड़ रुपए हो गया।

भारतीय टीम के अभ्यास मैच पर बारिश का साया

–खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर भी चिन्ताएं बढ़ीं

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच गयी है। इस सीरीज के लिए दोनो ही टीमों की तैयारी पूरी है। भारतीय टीम को यहां सीरीज शुरु होने से पहले एक अभ्यास मैच भी खेलना है जिसपर बारिश का साया मंडरा रहा है। इसके अलावा प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर भी भारतीय टीम परेशान है। भारतीय टीम को 7 अगस्त से कोलंबो में तीन दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलना है पर मौसम विभाग ने इस दौरान भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 7 से 9 अगस्त तक कोलंबो में भारी बारिश होने आ अनुमान है, जिसमें पहले दिन ही 91 फीसदी बारिश हो सकती है। इसके बाद भी बाकि दिन बादल छाए रहेंगे। यहां भारतीय टीम के पहुंचते ही उसे बारिश का सामना करना पड़ा जिससे ऐसे में आगे भी अभ्यास सत्र पूरी तरह से बाधित होने की आशंका है।

भारतीय टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। इसके बाद दोनो ही टीमें दूसरे टेस्ट के लिए कोलंबो रवाना होंगी, जो 23 से 27 अगस्त तक सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा।

सीरीज शुरू होने से पहले ही भारतीय टीम खिलाड़ियों की की फिटनेस से परेशान है। इससे भी टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ गयी हैं। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले ही सीरीज से बाहर हो गये हैं।उनकी जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया है। बुमराह के अलावा हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग की चोट, नितीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी पीठ में खिंचाव के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इन चोटों ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ और संयोजन पर सीधा प्रभाव पड़ा है।

डब्ल्यू डब्ल्यू ई पहलवान लेसनर ने पेशेवर कुश्ती को अलविदा कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वॉशिंगटन (ईएमएस)। 10 बार के डब्ल्यू डब्ल्यू ई चैंपियन अमेरिकी रेसलर ब्रॉक लेसनर ने पेशेवर कुश्ती से संन्यास की घोष्णा कर दी है। द बीस्ट इनकार्नेट के नाम से लोकप्रिय 49 साल के लेसनर ने द पैट मैकफी शो में कहा कि अब उनका सफर समाप्त पूरा हुआ। इसी के साथ ही खेल जगत में इस रेसलर का दो दशक लंबा करियर समाप्त हो गया है। लेसनर ने सोशल मीडिया में कहा, मैं आज दुनिया को यह बताने आया हूं कि मैंने संन्यास ले लिया है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताहांत उनके लिए एक भावनात्मक दिन था, जब वह मिनियापोलिस में एक अंतिम हेल इन ए सेल मुकाबले में उतरे। इस मैच के साथ ही उन्होंने अपने पेशेवर कुश्ती करियर पर विराम लगाने का अंतिम फैसला कर लिया।लेसनर का करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने केवल डब्ल्यू डब्ल्यू ई ही नहीं बल्कि यूएफफसी में भी हैवीवेट चैंपियन बनकर मिश्रित मार्शल आर्ट्स की दुनिया में अपनी धाक जमाई थी। अपनी ताकत, आक्रामकता और प्रतिभा से वह खेल के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक बने। लेसनर ने अपने करियर के दौरान कई डब्ल्यू डब्ल्यू ई कुश्ती मुकाबलों में छाये रहे। उन्होंने जॉन सीना, द अंडरटेकर, रोमन रेंस, कर्ट एंगल और ट्रिपल एच जैसे दिग्गजों को भी हराया।

लेसनर ने कहा कि इस साल की शुरुआत में रेसलमेनिया में जब उन्हें ओमोसने पटका था, तब उन्हें लगा था कि उनका करियर समाप्त हो गया है। उन्होंने उस क्षण को याद करते हुए कहा, जब ओमोस ने मुझे रेसलमेनिया में पटका, तो मैंने कहा, 'मैं अब और नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि मेरा करियर खत्म हो गया है।'लेकिन, जैसा कि उन्होंने बताया, खेल जगत ने उन्हें फिर से बुलाया और उनमें अभी भी कुछ ऊर्जा बाकी थी, जिसने उन्हें पिछले सप्ताहांत मिनियापोलिस में एक और हेल इन ए सेल मुकाबला लड़ने के लिए प्रेरित किया। यह उनका अंतिम प्रदर्शन साबित हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि शनिवार को हुई उनकी अंतिम उपस्थिति के साथ, उनके लिए रिंग में और बाकी सब कुछ खत्म हो जाएगा। लेसनर की इस घोषणा के साथ, पेशेवर खेल इतिहास के सबसे अनोखे और सफल करियर में से एक का अंत हो गया है।

इंग्लैंड का कोच बनना चाहते हैं स्टोक्स, खेल में वापसी से इंकार किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि वह भविष्य में टीम का मुख्य कोच बनना चाहते हैं। स्टोक्स ने हाल ही में खेल से संन्यास लिया था। जिसके बाद से ही ये उनका पहला बयान आया है। इसमें स्टोक्स ने साफ कर दिया है कि वह वापसी नहीं करेंगे। इससे पहले ये अटकलें लगायीं जा रहीं थीं कि एशेज सीरीज में वह संन्यास से वापसी कर सकते हैं पर अब ऐसी संभी संभावनाओं पर विराम लग गया है। उन्होंने कहा कि मेरा संन्यास का फैसला स्थायी है। अपने लंबे समय के लक्ष्यों और संन्यास के बाद की योजनाओं को लेकर स्टोक्स ने कहा कि वह इंग्लैंड का कोच बनकर टीम को सफल बनाना चाहते हैं।

स्टोक्स ने अपनी कोचिंग की इच्छा जताते हुए कहा, मुझे पता है कि खेल से जुड़े रहने के लिए मैं क्या करना चाहता हूं। इसमें मुख्य है कोच बनना। मैं अभी घरेलू क्रिकेट खेलते हुए ही अपना लेवल-3 कोचिंग कोर्स कर रहा हूं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि जब मैं खेलना छोड़ूं, तो मेरी सारी कोचिंग से जुड़ी चीजें पूरी हो गयी। मुझे खेल से हटकर किसी तरह से नेतृत्व की भूमिका में रहने का विचार बहुत पसंद है। स्टोक्स ने कहा कि हैरी ब्रूक को टेस्ट में कप्तान बनाया जाना चाहिये था पर इंग्लैंड बोर्ड ने उनकी जगह पर जो रुट को कप्तानी दे दी। स्टोक्स ने ब्रूक का समर्थन करते हुए कहा कि अगर किसी को अच्छा कप्तान या लीडर माना जाता है, तो उसे तुरंत यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। ब्रूक पहले से ही उपकप्तानी कर रहे थे, इसलिए उन्हें जिम्मेदारी देना सही रहता। उन्होंने रूट को अपनी शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर कप्तान के तौर पर शानदार काम करेंगे। गौरतलब है कि साल 2022 से चार साल तक टेस्ट कप्तानी संभालने वाले स्टोक्स ने तब मुख्य कोच रहे ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को आक्रामक बना दिया था। जिसे बैजबॉल के नाम से भी जाना गया। हालांकि, स्टोक्स के संन्यास की घोषणा के ठीक दो सप्ताह बाद मैकुलम ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रोल से हटने का ऐलान कर दिया। इसके बाद, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को नया टेस्ट कोच नियुक्त किया गया। मैकुलम के कार्यकाल की शुरुआत में जबरदस्त आक्रामक बल्लेबाजी पर आधारित क्रिकेट सफल रहा पर हाल के दिनों में टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है और वह पिछले नौ टेस्ट मैचों में से सात हार गयी।

बीसीसीआई चयन समिति में हो सकता है बदलाव, अगरकर को हटाये जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इससे चयन समिति और प्रबंधन भी बचे नहीं हैं। यहां तक कि मुख्य चयनकर्ता के पद से अजीत अगरकर को हटाये जाने की संभावनाएं भी बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य चयनकर्ता अगरकर का कार्यकाल अगले महीने सितंबर, समाप्त हो रहा है और उसे अगले साल तक बढ़ाये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। इससे ये सवाल उठता है कि अगरकर के बाद इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को कौन संभालेगा। अब तक जो नाम इसके लिए उभरकर सामने आया है। वह है पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का। अगरकर ने जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं जिसमें एशिया कप से लेकर चैम्पियंस ट्रॉफी और टी20 विश्वकप की जीत शामिल है। इन सफलताओं के बावजूद, उनके कार्यकाल विस्तार की संभावना कम लग रही है। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने उनके अनुबंध को पहले ही तीन महीने के लिए बढ़ाया था और 2027 विश्व कप तक विस्तार पर विचार कर रहा था। वहीं अब यह योजना मुश्किल में पड़ती दिख रही है। यह दिखाता है कि बोर्ड बड़े फैसलों की तैयारी में है, जो भविष्य की रणनीतियों से जुड़े हो सकते हैं।

गौरतलब है कि लक्ष्मण का नाम मुख्य चयनकर्ता के तौर पर उभरना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। एनसीए प्रमुख के रूप में, लक्ष्मण ने युवा प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट सर्किट और खिलाड़ियों के विस्तृत पूल की गहरी समझ है, जो एक मुख्य चयनकर्ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण गुण हैं। हाल ही में, उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका सफलतापूर्वक संभाली थी, और इससे पहले भी जब मुख्य कोचिंग स्टाफ को आराम दिया गया था, तब लक्ष्मण ने ही टीम की कमान संभाली थी। यह अनुभव उन्हें एक मजबूत प्रशासनिक और नेतृत्व क्षमता वाला उम्मीदवार बनाता है।

भारतीय टीम का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचना कठिन , श्रीलंका के पास अच्छा अवसर : चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम जिस प्रकार से खेल रही है । उसको देखते हुए उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025–27 के फाइनल में पहुंचने की संभावना बेहद कम है । वहीं श्रीलंका के पास अच्छा अवसर है । चोपड़ा के अनुसार ये सही है कि भारतीय टीम दो बार की उपविजेत रही है पर इस बार उसकी राह लगभग असंभव नजर आ रही है । वहीं श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू सीरीज जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने का अवसर है । भारतीय टीम 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी । वर्तमान हालातों पर नजर डालें तो डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारतीय टीम 48.150 फीसदी अंकों (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं । वहीं, श्रीलंका 41.67 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है । चोपड़ा ने बताया कि श्रीलंका के लिए यह सीरीज निर्णायक साबित हो सकती है । उन्होंने कहा, अगर हम (भारत) 2–0 से हारते हैं, तो हम सिर्फ 39 फीसदी अंक र रहेंगे और श्रीलंका 61 फीसदी अंक पर पहुंच जाएगा और चौथे नंबर पर आ जाएगा । अगर श्रीलंका भारत को 2–0 से हराता है तो वह दौड़ में शामिल हो जाएगा । तब उनके आगे बढ़ने का वास्तविक मौका होगा, वरना उनके लिए यह पास आकर भी दूर रहने वाली कहानी होगी । इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका के पास इस सीरीज में क्लीन स्वीप कर डब्लूटीसी फाइनल की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करने का सुनहरा अवसर है । वहीं, भारतीय टीम के हिसाब से देखें तो चोपड़ा ने बताया कि अगर भारत सीरीज में क्लीन स्वीप करता है, तो उन्हें फायदा मिल सकता है । उन्होंने कहा, अगर हम यह सीरीज 2–0 से जीतते हैं, तो हम 57.58 फीसदी अंक तक पहुंच जाएंगे । हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सीरीज 1–1 से ड्रॉ होती है, तो दोनों टीमों को कोई खास फायदा नहीं होगा । ऐसी स्थिति में भारत 48.48 पीसीटी और श्रीलंका 44.44 पीसीटी पर रहेगा, जिससे उनकी मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा ।

राष्ट्रमण्डल खेलों से गायब हुआ पाकिस्तानी मुक्केबाज

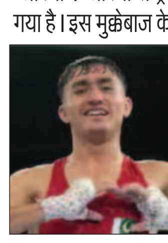

ग्लास्गो । ग्लास्गो राष्ट्रमण्डल खेलों से पाकिस्तान का एक मुक्केबाज कुदरातुल्लाह गायब हो गया है । इस मुक्केबाज के गायब होने से पाक मुक्केबाजी महासंघ की मुश्किलें बढ़ गयी हैं । ये पहला मामला नहीं है जब कोई पाक खिलाड़ी गायब हुआ हो । इससे पहले भी कई बार ऐसे वाकये होते रहे हैं । इसी को लेकर पाकिस्तान ओलंपिक संघ का कहना है कि राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मुकाबले में उतरने के बाद कुदरातुल्लाह टीम होटल से गायब हो गया था जिसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं चला है । हैरानी की बात ये है कि उसका पासपोर्ट टीम मैनेजर के पास ही है । इसके बाद भी वह गायब हो गया । वहीं इससे पहले भी एक बार राष्ट्रमंडल खेलों से पाकिस्तान के दो मुक्केबाज सुलेमान बलोच और नजीरूल्लाह खान बर्मिंघम में गायब हो गए थे जबकि पासपोर्ट दल प्रमुख के पास थे । पाक ओलंपिक संघ के एक अधिकारी के अनुसार वापसी की तैयार के लिए अहम कुदरातुल्लाह के कमरे में गये थे पर मुक्केबाज वहां नहीं था जबकि उसका सामान और निजी चीजें कमरे में ही थीं । इसके बाद हमने एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले उन्हें खोजने की बहुत कोशिश की पर वह नहीं मिले ।

अपनी सरकारी नौकरी की जिम्मेदारी निभाने पहुंचे ईशान

पटना । क्रिकेटर ईशान किशन खेल से ब्रेक मिलते ही अपनी नौकरी में पहुंच गये । ईशान रिजर्व बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर हैं ।

ईशान पटना स्थित रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में पहुंचे। सोशल मीडिया पर वायरल हुई इन तस्वीरों में ईशान आई कार्ड में दिखे । वह बैंक कर्मचारियों के साथ सेल्फी लेते नजर नजर आ रहे थे । ईशान को साल 2017 में केवल 18 साल की उम्र में स्पोर्ट्स कोटे के तहत यह पद मिला था । ईशान ने आरबीआई की ओर से डीवाई पाटिल क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया है। अपने व्यस्त क्रिकेटिंग कार्यक्रम के बाद भी जब भी उन्हें क्रिकेट से समय मिलता है, वह अपनी ड्यूटी निभाने के लिए बैंक पहुंच जाते हैं । ईशान के बैंक पहुंचते ही वहां का माहौल किसी उत्सव जैसा हो जाता है। बैंक कर्मचारियों में उनके साथ एक तस्वीर लेने की होड़ लग गई। कर्मचारियों के लिए यह एक विशेष अवसर था, क्योंकि व्यस्तताओं के कारण ईशान कभी–कभी ही कार्यालय जा पाते हैं । इसलिए हर कोई अवसर का लाभ उठाते हुए उनके साथ सेल्फी लेना चाहता था। ईशान ने भी सहजता से स्टाफ के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, जिससे दिन भर बैंक में उत्साह का माहौल बना रहा। उनकी मौजूदगी ने कार्यस्थल पर एक अलग ही ऊर्जा भर दी । इससे साफ है कि ईशान खेल के साथ ही अपनी नौकरी के प्रति भी गंभीर हैं।

संयोग से गोलकीपर बने मोहित हॉकी विश्व कप में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयोग से गोलकीपर बने कर्नाटक के 24 वर्षीय मोहित एचएस का भारत के लिए हॉकी विश्व कप खेलने का सपना आखिरकार पूरा होने जा रहा है। वह 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा के साथ मोहित भारतीय टीम के दो गोलकीपरों में शामिल हैं।

यह उपलब्धि उनके अब तक के प्रेरणादायक सफर का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोहित का अनुभव करकेरा जितना नहीं है, लेकिन हाल के महीनों में उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। खासकर एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में उनके दमदार खेल ने चयनकर्ताओं का भरोसा और मजबूत किया। दिलचस्प बात यह है कि मोहित का गोलकीपर बनने का सफर पूरी तरह संयोग से शुरू हुआ था।

स्कूल की हॉकी टीम में गोलकीपर नहीं होने के कारण उनके कोच ने उनकी लंबाई को देखते हुए उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना। यह अप्रत्याशित मौका धीरे-धीरे उनके सफल करियर की नींव बन गया। इसके बाद उन्होंने जूनियर विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और फिर सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाते हुए लगातार आगे बढ़ते गए। हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में मोहित ने कहा, 'मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं।'

मोहित ने भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश से मिली सीख का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हमने श्रीजेश से बहुत कुछ सीखा है। लेकिन उनके जैसा प्रदर्शन करने का दबाव हम पर नहीं है। उन्होंने भारत के लिए शानदार योगदान दिया है। हम मैदान पर अपना शत-प्रतिशत देंगे और फिर परिणाम जो होगा, उसे स्वीकार करेंगे।'

भारतीय टीम हाल ही में समाप्त हुए एफआईएच प्रो लीग अभियान में नीदरलैंड और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद नए आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतर रही है। टीम की तैयारियों पर मोहित ने कहा, 'नीदरलैंड और जर्मनी को हराने के बाद हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारी तैयारियां सही दिशा में हैं।'

मोहित के लिए विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उनका लक्ष्य मैदान पर हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना और भारत को फिर से विश्व चैंपियन बनाने में योगदान देना है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा पैमाना यही है कि जब भी मैं मैदान पर उतरूं, देश के लिए अपना सौ प्रतिशत दूं। मेरे सीनियर करियर में इससे बड़ा अवसर अब तक नहीं मिला है। मैं भारत को एक बार फिर विश्व चैंपियन बनाने की पूरी कोशिश करूंगा।' गौरतलब है कि भारत ने एफआईएच हॉकी विश्व कप का अपना एकमात्र स्वर्ण पदक वर्ष 1975 में कुआलालंपुर में पाकिस्तान को हराकर जीता था।

कार्लोस अल्काराज चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटे

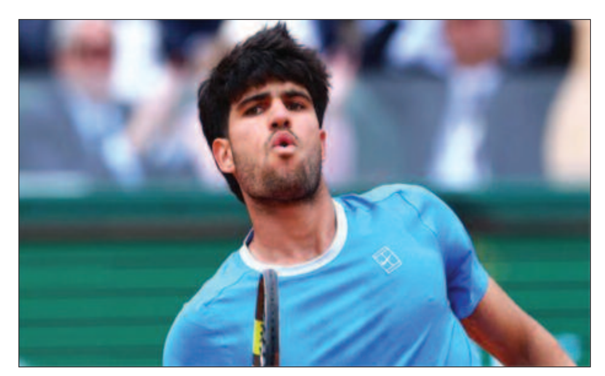

सिनसिनाटी । दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाईं कलाई की चोट के कारण मंगलवार को सिनसिनाटी ओपन से हट गए । यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है । स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे । यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है । टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं । हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं।' अल्काराज का पिछला टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था । इसके बाद वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं । हाल की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें अभ्यास करते हुए देखा गया था, जिससे उम्मीद थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन में वापसी कर लेंगे । यूएस ओपन में उनकी वापसी की उम्मीदें हालांकि बरकरार है । वह यूएस ओपन के मौजूदा चैंपियन भी है ।

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

अल्जीयर्स । अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है । एफएएफ ने कोच पेटकोविक के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है । इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है । एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविक और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया । गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविक को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था । उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की । यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं । हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविक के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अलग होने का निर्णय लेना पड़ा । अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया । यह गौरतलब है कि विश्व कप से कुछ समय पहले ही पेटकोविक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया गया था । इसके बावजूद, टीम के अपेक्षित परिणामों को हासिल करने में विफलता ने फेडरेशन को भविष्य को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया ।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल , पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं । इसी कारण वह बार–बार टीम से अंदर–बाहर होते रहे हैं । ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं । इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं । ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं । एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यॉर्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है। बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता–जागता उदाहरण हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं । यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है । 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं । ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे ? साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है ।

पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी:नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से करीब एक साल तक जूझने के बाद भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि पिछले 10 महीने उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और उन्होंने ऐसे दौर का सामना किया, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर अपने पदकों के संग्रह में एक और उपलब्धि जोड़ी। वह मुख्य रूप से जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे थे। चोट के कारण नीरज का सत्र देर से शुरू हुआ, लेकिन उन्होंने ग्लास्गो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ अपनी लय हासिल कर ली।

नीरज ने इंस्टाग्राम पर राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पल पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं। पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी।' उन्होंने कहा, 'कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना जब मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था। मैं हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं।'

नीरज ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 86.47 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन चोट के कारण 2022 के सत्र में हिस्सा नहीं ले सके थे। पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में खराब मौसम के कारण मुश्किल परिस्थितियों के बीच नीरज को श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराजे 89.75 मीटर के थ्रो के साथ पीछे छोड़ा। पथिराजे मौजूदा सत्र में सबसे अधिक दूरी तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ी है।

पूर्व विश्व चैंपियन नीरज ने अपनी वापसी में मदद करने वाले सहयोगी दल के प्रति आभार जताते हुए कहा, 'इस स्तर पर दोबारा प्रतिस्पर्धा करना अच्छा लग रहा है। यह सब कुछ अकेले संभव नहीं था। मैं उन लोगों का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा विश्वास बनाए रखा। उन्होंने अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी का विशेष रूप से धन्यवाद किया। नीरज ने कहा, 'ईशान जी चोट से उबरने के दौरान हर कदम पर मेरे साथ रहे और मुझे फिर से वह करने में मदद की, जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करता हूं। मेरे कोच जय चौधरी उस समय से मेरे साथ हैं, जब मैंने पहली बार भाला उठाया था।' उन्होंने कहा, 'मेरा परिवार हर परिस्थिति में मेरे साथ मजबूती से खड़ा रहा। सत्र अभी जारी है और मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा हूं।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3970

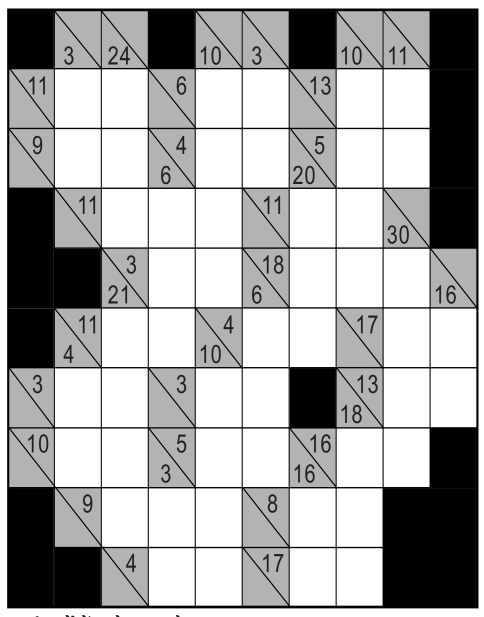

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

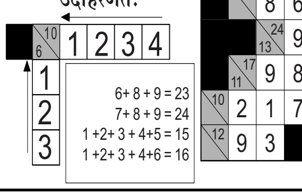

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3969 का हल

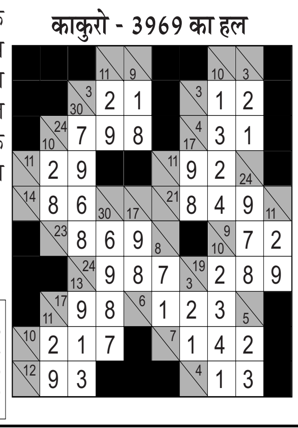

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3970

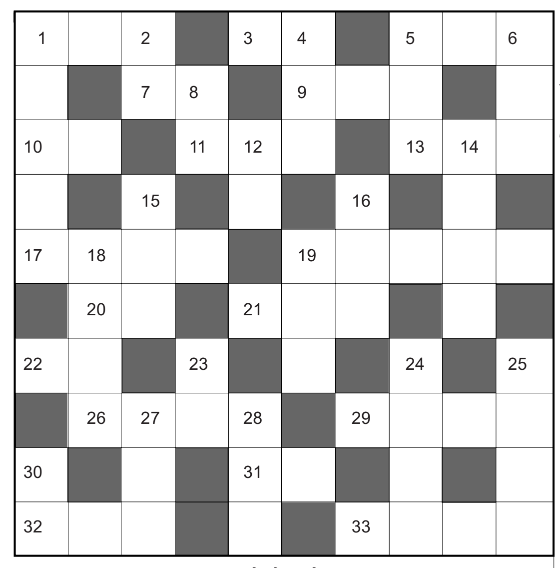

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3969

फा	■	द	ह	क	■	श	जू	चा	चा
गु	ला	म	■	री	ना	■	ही	■	ल
न	■	न	सी	ब	■	दा	■	जे	बा
■	रॉ	■	मा	■	जु	ग	नू	■	ज
फ	की	श	■	क	र्मा	■	त	ब्बू	■
र्ज	■	ज	ख्मी	■	ना	दा	न	■	ती
■	बा	पू	■	शू	■	दा	■	द	स
म	■	त	ह	ल	का	■	द	■	श
क	र्ज	■	म	■	जो	शी	ला	■	कौ
ड़ी	■	मा	ला	मा	ल	■	ल	गा	न

सूडोकु -3970

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3969 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 3970

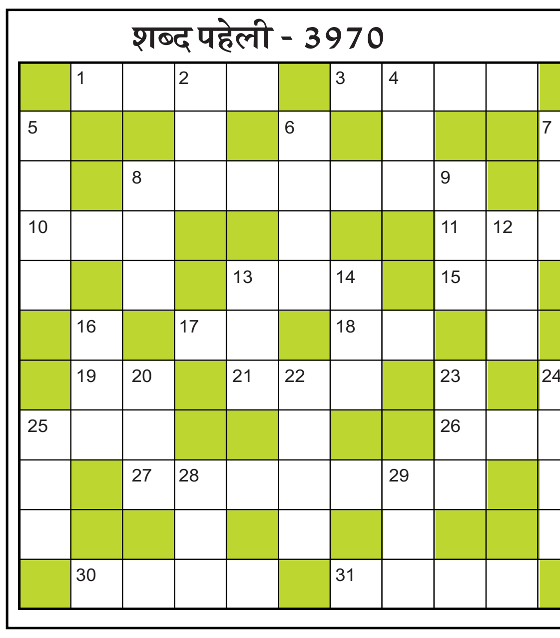

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3969 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

यूं निखर जाए रूप आपका

- अपनी त्वचा के अनुरूप ही मेकअप का इस्तेमाल करें।
- हमेशा चेहरा धोने के बाद टोनर लगाएं। इससे मेकअप अधिक देर तक टिकता है।
- फाउंडेशन लगाने से पहले गीली त्वचा पर ही हलका-सा मॉयस्चराइजर लगाएं, ताकि वह एकसार दिखे और चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो नजर आए।
- कभी भी क्रैश डइटिंग न करें। इससे त्वचा की खूबसूरती नष्ट हो जाती है।
- खाने-पीने पर हमेशा नियंत्रण रखना जरूरी है, साथ ही थोडा-सा व्यायाम भी। इससे खूबसूरती बरकरार रहने के साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है।
- तैलीय त्वचा में निखार लाने के लिए मलाई में नीबू का रस मिलाकर लगाएं। इससे त्वचा कोमल और मुलायम हो जाती है।
- रोज 6-7 घंटे की नींद जरूर लें।
- सस्ती लिपस्टिक बिंदी कभी इस्तेमाल न करें, इससे एलर्जी की संभावना अधिक रहती है।
- सुबह खाली पेट एक सेब रोज खाने से त्वचा में निखार आता है और मानसिक तनाव भी कम होता है।
- बालों के झडने और सफेद होने के कारण अकसर तनाव होता है, जिससे चेहरे की कांति नष्ट हो जाती है। इसके लिए खाने में पोषक तत्वों की मात्रा पर्याप्त रखें।
- सुबह उठकर गुनगुने पानी में आधा चम्मच शहद व नीबू का रस मिलाकर पिएं। इससे पेट साफरहता है।

- जहां तक संभव हो सके, सुबह की पहली धूप की किरणें शरीर को दें, जिससे विटमिन ए और डी की प्राप्ति शरीर को हो जाती है, स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है।
- रात को सोने से पहले क्लींजिंग मिल्क से चेहरा साफ करें ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल निकल जाए।
- हाथों में क्लींजर डालकर हथेलियों को रगड कर झाग बना लें, फिर चेहरे पर मलें, इससे चेहरा जल्दी साफ हो जाता है।
- विटमिन ए, बी, सी, डी और ई त्वचा में निखार लाते हैं, इन्हें भोजन में शामिल करना न भूलें। किसी न किसी रूप में इनका प्रयोग जरूर करें।

मां तुम बदल जाओ

मेरी मां मुझे बात-बात पर टोकती है। कहीं भी जाओ उनसे पूछकर जाना पड़ता है। आखिर वे क्यों नहीं बदलतीं। अक्सर टीनएज लड़कियों के मुंह से अपनी मां को लेकर इस तरह की शिकायतें सुनने मे आ ही जाती हैं। हो सकता है कि आपका भी अपनी मां के साथ अच्छा तालमेल नहीं बैठ पा रहा हो। पर अब ज्यादा परेशान न हों बस मनोचिकित्सकों और जाने-माने लेखकों की इन बातों पर गौर फरमाएं-

बदलने की कोशिश न करें : आपकी मां की कई ऐसी आदतें होंगी जिन्हें आप बदलना चाहती हैं। क्योंकि, वे आपको पसंद नहीं। बस यही तो आपकी भूल है। डॉटर एंड मदर पुस्तक की लेखिका और साइकोथैरेपिस्ट डोरेथी फिरमैन कहती हैं कि हम में से कई लोग अपनी मां को बदलने की कोशिश करते हैं। यह सोचकर कि इससे आपसी रिश्तों में सुधार होगा। पर शायद हम यह भूल जाते हैं कि हम उन्हें नहीं बदल सकते।

नियंत्रण अपना लें : जिन बातों को लेकर आपकी मां को आपकी चिंता होती है, आपको बंधन लगती हैं। जितना वे आपकी जिंदगी का हिस्सा बनने की कोशिश करती हैं उतना ही आप उन्हें खुद से दूर कर देती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वे आपको हर बात पर टोकने लगती हैं। आप चाह कर भी उनसे दूर नहीं भाग सकतीं। अपनी जिंदगी मे उन्हें शामिल करें। उन्हें महत्त्व देकर आप उनका अपनी जिंदगी में नियंत्रण थोड़ा कम कर सकती हैं।

रजामंदी जरूरी : आपको लगता है कि हर बात पर मां की रजामंदी लेना क्या जरूरी है। अक्सर आपको इस बात पर झुंझलाहट भी होती होगी। पर ऐसे में आप अपनी मां का अनादर करने की बजाय बीच का रास्ता निकालें। उनके सामने अपनी ऐसी छवि बनाएं कि आप बेहतर डिसीजन ले सकती हैं। अगर एक बार उनको तसल्ली हो जाएगी कि आप जो काम कर रही हैं वह सही है और आपने जो राह अपने लिए चुनी है वह भी सही है, तो हो सकता है कि वे आपका साथ दें।

तरीका बदलें : उनकी अगर यह आदत है कि उन्हें आपसे जुड़ी हर बात पर बोलना है, चाहे वे उसे समझ रही हैं या नहीं। तो भड़कें नहीं। इससे उनकी इस आदत को बढ़ावा ही मिलेगा। उनकी किसी बात का जवाब देने का तरीका बदलें। ऐसे तर्क उनके सामने रखें जिनसे उन्हें लगे कि उनका हर बात पर बोलना और राय देना ठीक नहीं है।

मां से प्यार करें : आपकी मां आए दिन आप पर गुस्सा करती हैं या फिर बड़बड़ाती रहती हैं तो हो सकता है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि आपने उन्हें अपने से दूर कर दिया है। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपके लिए आपकी मां अच्छा ही सोचेगी। उन्हें प्यार-सम्मान दें और यह मानकर चलें कि जो कुछ वे कह रही हैं या कर रही हैं उसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

आदित्य चोपड़ा के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।' करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी।

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था। उन्हें खबरों की दुनिया पसंद थी और उनका सपना क्राइम रिपोर्टर बनने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने मास मीडिया की पढ़ाई भी चुनी, लेकिन पढ़ाई के दौरान ही उनकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मृणाल को टीवी सीरियल का ऑफर मिला। यह फैसला शुरुआत में उनके परिवार को पसंद नहीं आया। उन्हें लगता था कि पढ़ाई पूरी करना ज्यादा जरूरी है। लेकिन, मृणाल ने अपने परिवार को समझाया और आखिरकार अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया। साल 2012 में उन्होंने टीवी सीरियल 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'अर्जुन' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी पहचान 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा के किरदार से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और लोगों ने उनके अभिनय को खूब पसंद किया। टीवी पर सफलता मिलने के बाद मृणाल ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। सबसे पहले उन्होंने मराठी फिल्मों 'हैलो नंदन', 'विट्टी दांडू' और 'सुराज्य' में काम किया। इसके बाद साल 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन मृणाल के अभिनय की काफी तारीफ हुई। साल 2019 मृणाल के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसी साल वह ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' में नजर आईं। दोनों फिल्मों ने उन्हें बड़े पर्दे पर मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने 'तूफान', 'धमाका', 'जर्सी', 'गुमराह', 'पिप्पा' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया।

मृणाल ठाकुर के करियर को सबसे बड़ी उड़ान तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इसके बाद 'हाय नन्ना' में भी उन्होंने शानदार काम किया और दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली। मृणाल ने अपनी निजी जिंदगी के संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर की शुरुआत में वह भविष्य को लेकर काफी परेशान रहती थीं। पढ़ाई, परिवार की उम्मीदें और करियर की अनिश्चितता के बीच कई बार वह खुद से सवाल करती थी। बाद में उन्होंने इन मुश्किलों का सामना किया और अपने काम पर पूरा ध्यान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में छोड़े कई फिल्मों के ऑफर

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर इसलिए छोड़ दिए क्योंकि उनमें इंटीमेट सीन थे और वह उस समय ऐसे सीन्स को लेकर सहज नहीं थीं। बाद में उन्होंने अपने परिवार से खुलकर बातचीत की और अपने पेशे की जरूरतों को समझाया। अपने अभिनय के दम पर मृणाल ठाकुर ने कई सम्मान भी हासिल किए हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड, साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स और इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

विक्की जैन ने शुरू किया प्रोडक्शन हाउस टाइगर श्रॉफ के साथ बनाएंगे एक्शन फिल्म

विक्की जैन ने प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। उनके VJ Frames नाम से प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। इस एक्शन फ्रैंचाइजी के निर्देशन की जिम्मेदारी रेमो डिसूजा संभालेंगे।

एल्विश यादव और अभिषेक बनर्जी भी आएंगे नजर

विक्की जैन चर्चित टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति हैं। विक्की अब फिल्म निर्माता की कुर्सी पर बैठेंगे। अपने बैनर की पहली एक्शन फिल्म में उन्होंने टाइगर श्रॉफ को साइन किया है। उनके अलावा अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी नजर आएंगे।

शुरू हुई शूटिंग, टाइटल तय नहीं

अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले विक्की जैन पहली फिल्म एक्शन फ्रैंचाइजी बना रहे हैं। हालांकि, फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं हुआ है। आज शनिवार से इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। अभिनेत्री और विक्की जैन की पत्नी अंकिता लोखंडे ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसी के साथ प्रोडक्शन हाउस शुरू करने पर शुभकामनाएं भी दी हैं।

टाइगर श्रॉफ वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला की 'बागी 4' में देखा गया था। फिल्म बीते साल सितंबर में रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं, रेमो डिसूजा की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म अभिषेक बच्चन अभिनीत 'बी हैप्पी' थी।

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज़ गिल

मुंबई इश्कनामा की रिलीज़ के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज़्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

टीवी से फिल्मों तक का सफर आसान नहीं था, मुझे 15 साल लग गए

सीरीज में में महिमा मकवाना और विक्रांत मैसी पहली बार साथ नजर आए हैं। दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। महिमा मानती हैं कि आज इंडस्ट्री का नजरिया बदल रहा है और यह प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की एक मिसाल है। 'मेरे लिए विक्रांत मैसी, सुशांत सिंह राजपूत, मृणाल ठाकुर और शाहरुख खान हमेशा प्रेरणा रहे हैं। आप टीवी से आए हों, थिएटर से या कहीं और से... अगर आपके पास मेहनत, धैर्य और साफ विजन है, तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। मुझे यहां तक पहुंचने में 15 साल लगे हैं। कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़े। लेकिन अब वह दौर चला गया है, जब टीवी एक्टर्स को कमतर समझा जाता था। हमारा प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की मिसाल है।'

अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों का यौन उत्पीड़न, पूर्व रग्बी कोच आरोपी

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व राष्ट्रीय रग्बी कोच और रेडियो प्रस्तोता एलन जोन्स (85) के खिलाफ छह पुरुषों और लड़कों के यौन उत्पीड़न के आरोपों में सोमवार को मुकदमा शुरू हुआ। उन्होंने 2003 से 2020 के बीच लगे अनुचित व्यवहार और यौन स्पर्श के 22 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में जस्टिस ग्लेन वॉल्श के समक्ष यह सुनवाई चल रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 साल की उम्र में जोन्स ने उसकी मदद की, लेकिन बाद में अनुचित व्यवहार शुरू कर दिया। वहीं, जोन्स की वकील गैब्रिएल बशीर ने आरोपों को प्रतिद्वंद्विता और मौकापरस्ती से प्रेरित मनगढ़ंत कहानी करार दिया।

ब्रॉड पीक हिमस्खलन में जान गंवाने वाले तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद, दो अब भी लापता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान स्थित ब्रॉड पीक पर आए घातक हिमस्खलन में मारे गए तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। 7,000 मीटर की ऊंचाई पर आए इस हिमस्खलन की चपेट में 10 सदस्यीय टीम आ गई थी। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) के अनुसार, बरामद शवों में दिग्गज ब्रिटिश-नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुरजा, नेपाल के पुर बहादुर गुरुंग, किली पेम्बा शेरपा, नीमा शेरपा, ग्यालु शेरपा, नधीरा अहमद अब्दुल्ला, ओमान के अल हार्थी, अमेरिका की मेलोरी गीस और चीन के वांग झोंग शामिल हैं। पाकिस्तान के सोहेल सखी और नवांग थिंडू शेरपा अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पीओके में नवाज शरीफ की पार्टी बना सकती है सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चुनाव के दूसरे चरण में नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने जबरदस्त जीत हासिल की। पार्टी ने चुनाव वाली 18 में से 14 सीटें जीती हैं। 27 जुलाई को पहले चरण में नवाज की पार्टी ने 13 में से नौ सीटें जीतीं थी। पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने अब तक 31 में से 23 सीटें जीती हैं जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने आठ सीटें हासिल की हैं। पीपीपी को दोनों चरणों में चार-चार सीटें मिली हैं।

अफगानिस्तान में कबीलों के बीच जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, चौथे दिन जारी झड़प में कई घायल

काबुल, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में खोस्त और पक्तिया प्रांतों की सीमा पर स्थित एक पहाड़ी इलाके के मालिकाना हक को लेकर दो कबीलों के बीच हुई सशस्त्र झड़पें सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहीं। अफगानिस्तान की प्रमुख समाचार एजेंसी खामा प्रेस के मुताबिक, यह झड़प खोस्त प्रांत के स्पाइरा जिले के बोरी खेल कबीले और पक्तिका प्रांत के गियान जिले के गियान खेल कबीले के लोगों के बीच शुरू हुई। स्थानीय रिपोर्टों का हवाला देते हुए एजेंसी ने बताया कि दोनों पक्षों ने संघर्ष के दौरान हल्के और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। इससे लंबे समय से चल रहे जमीन विवाद के और बढ़ने की चिंता पैदा हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवादित पहाड़ स्पाइरा और गियान जिलों के बीच स्थित है। यह इलाका जंगलों से घिरा हुआ है, जिनमें कीमती पाइन नट के पेड़ भी हैं। लोगों का कहना है कि इन्हीं संसाधनों की वजह से जमीन के मालिकाना हक, उपयोग और नियंत्रण को लेकर मतभेद और बढ़ गए हैं। कई दशकों से यह विवाद समय-समय पर सशस्त्र झड़पों का कारण बनता रहा है। स्पाइरा जिले के निवासी शाह मीर खान ने कहा कि पहले भी इस पहाड़ को लेकर हुई झड़पों में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। उनका दावा है कि इस विवाद से जुड़े पुराने संघर्षों में करीब 80 लोग मारे गए या घायल हुए थे। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। रेडियो हुर्रियत के अनुसार, हालात को और बिगड़ने से रोकने और दोनों पक्षों को अलग करने के लिए तालिबान बलों को इलाके में तैनात किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस पहाड़ को लेकर विवाद की जड़ दोनों समुदायों के ऐतिहासिक मालिकाना दावों में है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस क्षेत्र को लेकर तनाव कई पीढ़ियों से चला आ रहा है। यह विवाद अक्सर प्राकृतिक संसाधनों, चराई की जमीन और जंगलों तक पहुंच से जुड़ा रहता है। रेडियो हुर्रियत का कहना है कि यह व्यापक विवाद लगभग 80 वर्षों से जारी है और इस दौरान दोनों पक्षों के 250 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

हर जमानत के बाद केस: क्यों नहीं हो रही चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई? वकील बोले- 'सरकार चाहे तो मिल सकती है आजादी'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रमुख हिंदू संत और सनातनी समुदाय के प्रमुख प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से पैरवी कर रही कानूनी टीम ने उनकी रिहाई की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताई है। वकीलों का कहना है कि जिस तरह से मामले को लगातार लंबा खींचा जा रहा है, उससे यह संकेत मिलता है कि सरकार की ओर से उनकी शीघ्र रिहाई को लेकर पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जा रही है।

आखिर चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी कब और क्यों हुई : चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का कथित रूप से अपमान किया। उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और 27 नवंबर 2024 को चटगांव कोर्ट परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं।

जमानत मिलने के बावजूद जेल से बाहर क्यों नहीं आ सके : हालांकि चिन्मय कृष्ण दास को मूल देशद्रोह मामले और उसके बाद दर्ज कुछ अन्य मामलों में जमानत मिल चुकी है, लेकिन नए मुकदमों की वजह से उनकी रिहाई अब भी नहीं हो सकी है। उनके खिलाफ लगातार नए मामले दर्ज होने से वे अब भी जेल में बंद हैं।

वकील ने सरकार पर क्या आरोप लगाए? सोमवार को एएनआई से बातचीत में चिन्मय कृष्ण दास के बचाव पक्ष के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य तंत्र लगातार नए मुकदमे जोड़कर उनके मुवक्किल को जेल में रखने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वास्तव में चाहती, तो बहुत कुछ संभव हो सकता था, लेकिन इस मामले को जानबूझकर बेहद धीमी गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।'

अब तक चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कितने मामले दर्ज हुए हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला 24 अक्टूबर 2024 को देशद्रोह का दर्ज हुआ था। इसके बाद 25 नवंबर 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के समय चिन्मय कृष्ण दास रंगपुर में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद घरेलू उड़ान से चटगांव जा रहे थे। ढाका में ट्रांजिट के दौरान हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें हिरासत में लिया गया।

हर बार जमानत के बाद नए मुकदमे क्यों दर्ज किए गए : बचाव पक्ष के अनुसार, देशद्रोह मामले में 4 मई 2025 को हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। लेकिन जमानत मिलने के महज दो दिन बाद उनके खिलाफ पांच नए मामले दर्ज कर दिए गए और इन्हीं मामलों में उन्हें फिर से गिरफ्तार दिखा दिया गया। वकील ने कहा कि यह घटनाक्रम इस बात की ओर इशारा करता है कि हर बार जमानत मिलने के बाद नए कानूनी मामले जोड़कर उनकी रिहाई टालने की कोशिश की गई।

इन नए मामलों में कौन-कौन से आरोप शामिल हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, पांच नए मामलों में अलीफ हत्याकांड, तोड़फोड़, विस्फोटक पदार्थ से जुड़ा मामला और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मामलों में जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था। पहले हाईकोर्ट ने नियम (रूल) जारी किया और सुनवाई पूरी होने के बाद सोमवार को इनमें से दो मामलों में जमानत दे दी गई।

अब आगे कानूनी प्रक्रिया क्या होगी : फिलहाल चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ शेष मामलों की सुनवाई चटगांव के स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में चल रही है। स्थानीय अदालत ने हाल ही में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस पर बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि हम बिना किसी देरी के इस मामले में जमानत के लिए हाईकोर्ट जाएंगे। हाईकोर्ट ने शेष दो मामलों में जमानत याचिका पर सुनवाई 16 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी है।

चिन्मय कृष्ण दास की क्या मांग रही है : चिन्मय कृष्ण दास लंबे समय से बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक सुरक्षा कानून बनाने, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक ट्रिब्यूनल स्थापित करने और अल्पसंख्यक मामलों के लिए अलग मंत्रालय बनाने की लगातार मांग की है।

भारत पर नए टैरिफ लगाकर बुरे फंसे ट्रंप, अमेरिका के 25 राज्यों ने ठोक दिया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर नए टैरिफ लगाकर घर में ही घिर गए हैं। बंधुआ मजदूरी का हवाला देकर भारत सहित 60 देशों पर टैक्स लगाने के बाद अब अमेरिका के 25 राज्यों ने उन पर मुकदमा ठोक दिया है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका ने अपने 60 ट्रेड पार्टनर्स पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसे लेकर ही अमेरिका के 25 राज्यों के गठबंधन ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिका के इन राज्यों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन टैरिफ थोपने के लिए कानून का गलत इस्तेमाल कर रहा है। उनके मुताबिक सुप्रीम कोर्ट टैरिफ को पहले ही निरस्त कर चुकी है। ऐसे में ट्रंप सरकार के पास इस नए टैरिफ लगाने का कोई आधार नहीं है।

'गैर-कानूनी तरीके से थोपा जा रहा टैरिफ' : राज्यों ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत लागू नए टैरिफ को लेकर सवाल उठाए हैं। राज्यों का तर्क है कि धारा 301 का इस्तेमाल किसी खास देश या कंपनी की नीतियों की जांच के लिए होता है, न कि सभी अमेरिकी आयात पर एक साथ टैरिफ लगाने के लिए। राज्यों ने यह आरोप भी लगाए हैं कि आमतौर पर 1 साल में पूरी होने वाली जांच प्रक्रिया को केवल 2-ढाई महीने में जल्दबाजी में पूरा दिखाकर बंधुआ मजदूरी रोकने का बहाना बनाया गया है। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स और ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट में हारने के बाद अब नया कानूनी बहाना बनाकर फिर से आम परिवारों और कारोबारों पर गैर-कानूनी तरीके से टैरिफ थोप रहा है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये टैरिफ उन देशों पर लगाए गए हैं जो देश बंधुआ मजदूरी से बने सामान के निर्यात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। हालांकि कड़े कदम उठाने के बाद देशों को छूट भी मिली थी। इनमें से एक भारत था। इस प्रस्ताव के तहत भारत पर पहले 12.5 फीसदी टैक्स लगाने की बात चल रही थी। हालांकि बाद में इसे घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया। वहीं कुछ आवश्यक चीजों को टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, खाद जैसी चीजें शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को लेकर कई कानूनी लड़ाई हार चुके हैं। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को असंवैधानिक बता दिया था। सुप्रीम कोर्ट के झटके के बाद ट्रंप ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत वैश्विक टैरिफ लगा दिए। हालांकि कोर्ट ने बाद में इसे भी गैर-कानूनी माना। अब ट्रंप प्रशासन ने धारा 301 का सहारा लिया है।

पूर्वी अफ्रीका में भूस्खलन से 14 मौतें, कई लापता; इथियोपिया में धार्मिक आयोजन के समय तबाही

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में सोमवार सुबह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

क्या धार्मिक अनुष्ठान के दौरान हुआ हादसा : यह हादसा त्सादकाने देब्रे मिटमाक सेंट मैरी मठ में हुआ, जहां सैकड़ों श्रद्धालु पवित्र जल से शुद्धिकरण के धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। यह अनुष्ठान लंबे समय से बीमारियों से राहत और आध्यात्मिक उपचार की मान्यता से जुड़ा माना जाता है।

कई लोग अब भी मलबे में फंसे : डायोसीज के महाप्रबंधक मेगाबे हादिस नेका तिबेब अबाबू के अनुसार, हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में से 11 का अंतिम संस्कार मठ परिसर में कर दिया गया है, जबकि अन्य के शव उनके गृह नगर भेजे गए हैं। कुछ शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

राहत-बचाव अभियान जारी : गंभीर रूप से घायल लोगों को नॉर्थ शेवा प्रशासनिक क्षेत्र की राजधानी देब्रे बिरहान के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग की विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान में जुटी हुई है।

लगातार बढ़ रही हैं ऐसी प्राकृतिक आपदाएं : इथियोपिया में जून से सितंबर तक चलने वाले बारिश के मौसम के दौरान भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं आम हो गई हैं। जुलाई 2024 में दक्षिणी इथियोपिया में हुए भूस्खलन में कम से कम 257 लोगों की मौत हुई थी, जबकि इसी वर्ष की शुरुआत में गामो क्षेत्र में भी ऐसे ही हादसे में 100 से अधिक लोगों की जान गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण देश में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

आतंकियों का काल बना 'अननोन', मारे 30 से ज्यादा लश्कर, पाकिस्तान में कौन कर रहा ऑपरेशन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के एक वरिष्ठ कमांडर ने पहली बार खुलेआम यह बात स्वीकार की है कि पिछले तीन से चार वर्षों में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई शहरों में संगठन के 30 से अधिक सदस्य मारे जा चुके हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अननोन' पर फोड़ा है। लश्कर-ए-तैयबा और उसके सहयोगी संगठन जेकेयूएम के एक आतंकवादी ने पहली बार खुलेआम स्वीकार किया है कि पिछले तीन से चार सालों में पाकिस्तान और पीओके के कई प्रमुख शहरों में संगठन के 30 से ज्यादा सदस्य मारे गए हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अज्ञात बंदूकधारियों' यानी 'अननोन गनमैन' पर फोड़ा है। यह बयान लश्कर के अंदरूनी हलकों में हड़कंप मचाने वाला माना जा रहा है, क्योंकि अब तक संगठन इस तरह के नुकसान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से बचता रहा है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल : यह चौंकाने वाला खुलासा रिजवान हनीफ ने एक भाषण में किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिजवान हनीफ लश्कर-ए-तैयबा के पीओके ग्रुप का सीनियर कमांडर और डिप्टी चीफ है। वह सीमा पार घुसपैठ के संचालन, नए आतंकियों की भर्ती और पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट जैसे प्रॉक्सी संगठनों के साथ समन्वय करने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। उसके इस भाषण ने न सिर्फ लश्कर के अंदर, बल्कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के बीच भी चर्चा छेड़ दी है। अपने भाषण में रिजवान हनीफ ने दावा किया कि पिछले तीन-चार वर्षों के दौरान पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलकोट और मुजफ्फराबाद समेत कई शहरों में लश्कर-ए-तैयबा के 30 से अधिक सदस्यों की हत्या कर दी गई। उसने कहा कि ये हमले किसी आम अपराधिक घटना की तरह नहीं, बल्कि संगठित तरीके से अंजाम दिए गए। हनीफ के अनुसार, इन हत्याओं के पीछे 'अज्ञात बंदूकधारी' सक्रिय थे, जिन्हें उसने भारतीय एजेंट बताया। हालांकि, उसने इस गंभीर आरोप के समर्थन में कोई ठोस सबूत, नाम या दस्तावेज पेश नहीं किया। हनीफ ने बार-बार यह दोहराया कि ये हत्याएं अचानक नहीं हुईं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही एक श्रृंखला का हिस्सा हैं। उसने संगठन के सदस्यों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि 'अननोन' अब लश्कर के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। उसके शब्दों में, पाकिस्तान और पीओके के अंदर सुरक्षित समझे जाने वाले इलाकों में भी लश्कर के कार्यकर्ता अब सुरक्षित नहीं रह गए हैं। भाषण के दौरान रिजवान हनीफ ने हिंदू धर्म के खिलाफ अपमानजनक और विषैली भाषा का भी इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान से रिश्ता खत्म! बलूचिस्तान 11 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा

क्वेटा, एजेंसी। भारत को बांटने का शौक पालने वाला पाकिस्तान आज खुद टूट रहा है। पीओके में जोरदार विरोध प्रदर्शनों के बीच बलूचिस्तान ने अपने स्वतंत्रता दिवस की तारीख भी फिक्स कर दी है। बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाएएगा। बलोच नेता इसके लिए दुनियाभर के देशों से समर्थन की मांग कर रहे हैं। रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान कीतरफ से लोगों से अपील की गई है कि वे 11 अगस्त को बलोच एकता दिखाएं और स्वतंत्रता दिवस मनाएं।

पाकिस्तान के बाहर भी मनेगा जश्न : बलोचि लिबरेशन नेता मीर यार बलोच ने कहा कि 11 अगस्त को लोग स्वतंत्र बलूचिस्तान का झंडा अपने घरों मं फहराएं। इसके साथ ही आस-पास, बाजार, दुकानों और सार्वजनिक जगहों पर रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान का झंडा लगाया जाए। बलोच नेता ने अपने बायन में कहा कि हर साल अब 11 अगस्त को ही स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाले बलोच लोग भी इस दिन स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाएंगे। बलोच नेताओं ने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों ने ना कवल इस क्षेत्र में बल्कि बाहर भी बहुत बुरा असर डाला है। चाहे कश्मीर के लिए जहर उगलना हो. बलूचिस्तान में सैन्य कार्रवाई हो, सोवियत-अफगान युद्ध में शामिल होना या फिर परमाणु टेस्टिंग। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों की वजह से केवल खून बहता है।

दुनियाभर से समर्थन की मांग : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान ने अपने बयान में कहा है कि पाकिस्तान के साथ रहकर बलूचिस्तान कभी समृद्ध नहीं हो सकता। ऐसे में पूरी दुनिया को उनका समर्थन करना चाहिए जिससे कि इस क्षेत्र में शांति स्थापित की जा सके।

11 अगस्त को क्यों स्वतंत्रता दिवस : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के मुताबिक पहली बार 11 अगस्त 1947 को ही बलूचिस्तान को स्वतंत्र घोषित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घोषणा को तवज्जो भी दी थी।उस समय भारत और पाकिस्तान का बंटवारा भी नहीं हुआ था। दावा है कि ऑल इंडिया रेडियो और न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी यह खबर चलाई थी। इसी आधार पर बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा। भारत-पाक बंटवारे के बाद पाकिस्तान 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने लगा।

दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश ने अपना नाम बदला:अब 'नौरू' नहीं 'नाओएरो' कहलाएगा

यारेन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में बसे दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश नौरू ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अपना नाम बदल दिया है। अब यह देश आधिकारिक तौर पर 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो' कहलाएगा। संयुक्त राष्ट्र (ह) ने भी अपने रिकॉर्ड में नया नाम लागू कर दिया है। करीब 12 हजार आबादी वाले इस द्वीपीय देश का कहना है कि 'नाओएरो' उसका असली नाम है, जबकि 'नौरू' विदेशी लोगों की सुविधा के लिए प्रचलन में आया था। अब सरकार का मानना है कि समय आ गया है कि देश दुनिया के सामने अपनी मूल पहचान के साथ जाना जाए। नाओएरो इक्कीसवीं सदी में ऐसा आठवां देश बन गया है जिसने अपना नाम बदला है। इससे पहले तुर्किये ने 2022 में ऐसा किया था।

शादी में विवाद के बाद 10 साल तक गृहयुद्ध चला : 19वीं सदी के आखिर तक नाउरू एक छोटा-सा द्वीप था, जहां 12 स्थानीय जनजातियां रहती थीं। यहां कोई आधुनिक सरकार या सेना नहीं थी। लोगों का जीवन मछली पकड़ने, नारियल की खेती और समुद्र से मिलने वाले संसाधनों पर निर्भर था। 1870 के दशक में यूरोपीय व्यापारी नाउरू पहुंचने लगे। वे यहां नारियल और दूसरे सामान का व्यापार करते थे। बदले में उन्होंने स्थानीय लोगों को शराब और बंदूकें बेचना शुरू कर दिया। इससे द्वीप का सामाजिक संतुलन बिगड़ने लगा। 1878 में एक शादी समारोह के दौरान रीति-रिवाज को लेकर बहस हुई। बहस के बीच एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकालकर गोली चला दी, जिससे एक कबीलाई प्रमुख के बेटे की मौत हो गई। नाउरू की पारंपरिक संस्कृति में ऐसी हत्या का बदला लेना सामाजिक जिम्मेदारी माना जाता था। यहीं से बदले का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे पूरे द्वीप के 12 कबीलों के बीच गृहयुद्ध में बदल गया। यह संघर्ष करीब 10 साल तक चला, जिसे नाउरू सिविल वॉर के नाम से जाना जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मारे गए, कई गांव उजड़ गए और लगभग हर परिवार किसी न किसी रूप में इस हिंसा से प्रभावित हुआ। हालात इतने खराब हो गए कि आखिरकार 1888 में जर्मनी ने हस्तक्षेप कर द्वीप पर नियंत्रण स्थापित किया, हथियार जब्त किए और इस लंबे खूनी संघर्ष को समाप्त कराया।

जर्मनी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने नौरू पर कब्जा किया : 1914 में प्रथम विश्व युद्ध शुरू होते ही हालात बदल गए। ऑस्ट्रेलियाई सेना ने बिना ज्यादा प्रतिरोध के नाओएरो पर कब्जा कर लिया। युद्ध खत्म होने के बाद जर्मनी हार गया और उसे अपने कई विदेशी उपनिवेश छोड़ने पड़े। करीब पांच दशक तक विदेशी सरकार के कब्जे में रहने के बाद नाओएरो को 31 जनवरी 1968 को पूर्ण स्वतंत्रता मिली और यह एक संप्रभु गणराज्य बन गया।

माफी नहीं मांगते तो तबाह हो जाते 3 ठिकाने; यूक्रेन पर हमले की तैयारी में था ईरान, अब दी बड़ी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। कैस्पियन सागर में एक ईरानी कारोबारी जहाज पर हुए हालिया ड्रोन हमले ने तेहरान और कीव को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान ने दावा किया है कि वह यूक्रेन के भीतर तीन रणनीतिक ठिकानों पर जवाबी हमला करने की पूरी तैयारी कर चुका था, लेकिन ऐन वक्त पर यूक्रेनी सरकार द्वारा मांगी गई 'माफी' के बाद इस सैन्य ऑपरेशन को रोक दिया गया।

ईरान-यूक्रेन में क्या था विवाद : विवाद की शुरुआत 25 जुलाई को हुई, जब कैस्पियन सागर में ईरान के एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। यूक्रेन का आधिकारिक तौर पर कहना है कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था और यह महज एक तकनीकी गलती थी। हालांकि, ईरान इस सफाई को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। तेहरान का मानना है कि उसके पास ऐसे पुख्ता सबूत हैं जो बताते हैं कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियोजित थी। यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने था ईरान ईरान के सुप्रीम लीडर के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार और IRGC के पूर्व कमांडर मेजर जनरल मोहसन रेजाई ने सरकारी टेलीविजन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि ईरानी सेना ने यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने के लिए अपनी तैयारी पूरी कर ली थी। रेजाई के अनुसार, कीव की ओर से यह स्पष्टीकरण आने के बाद कि हमला एक चूक थी, जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि तेहरान केवल बयानों से संतुष्ट नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ईरान अब यह देख रहा है कि यूक्रेन अपनी 'गलती' के दावे को साबित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

बघाई ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उन सार्वजनिक बयानों का भी जिक्र किया, जिनमें उन्होंने कैस्पियन सागर के पास रूसी सैन्य ठिकानों पर लंबी दूरी के हमलों की बात कही थी। ईरान इसे हमले के इरादे के सबूत के तौर पर देख रहा है।

आगे क्या होगा : ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने भी इस मामले पर यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा से बात की है। यूक्रेन ने भरोसा दिलाया है कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने नुकसान की भरपाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यूक्रेन ने इस मामले में ठोस राजनयिक समाधान नहीं निकाला, तो यह विवाद एक नए युद्ध के मोर्चे में तब्दील हो सकता है।

एपस्टीन का द्वीप खरीदने वाला ताकझांक से परेशान : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के कुख्यात निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स और ग्रेट सेंट जेम्स अब एक नई वजह से चर्चा में हैं। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, द्वीप खरीदने वाले अरबपति निवेशक स्टीफन डेकऑफ के लिए ये प्रॉपर्टी अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट बनाने वालों की वजह से बड़ी परेशानी बन गई है। डेकऑफ ने 2023 में दोनों द्वीप लगभग 6 करोड़ डॉलर (571 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनको यहां एक लग्जरी रिसॉर्ट बनाना था, लेकिन चार साल बाद भी ऐसा न हो सका। इस बीच कई यूट्यूबर, इन्फ्लुएंसर व कंटेंट क्रिएटर बिना अनुमति द्वीप पर पहुंचकर वीडियो बना रहे व ताकझांक कर रहे हैं। उनका दावा है कि वे एपस्टीन से जुड़े रहस्यों की सच्चाई सामने लाना चाहते हैं। एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोप थे। 2019 में उसकी जेल में मौत हो गई थी, लेकिन उससे जुड़ी जानकारियों को लेकर आज भी लोगों में काफी दिलचस्पी है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)